दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03, अंक 175 | ग्वालियर गुरुवार 2 जुलाई 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

सीएम शिवराज सिंह चौहान का ऐलान आज होगा कैबिनेट विस्तार

सिंधिया की 8 सीटों पर सहमति, आज 11 बजे नए मंत्री लेंगे शपथ

भोपाल। मध्य प्रदेश में शिवराज की मिनी कैबिनेट बनने के 71 दिन बाद गुरुवार यानी 2 जुलाई को मंत्रिमंडल का पहला विस्तार होने जा रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को खुद इस बारे में जानकारी दी। नए मंत्री गुरुवार सुबह 11 बजे राजभवन में शपथ लेंगे। मध्य प्रदेश में शिवराज सरकार के कैबिनेट विस्तार पर पिछले कई दिनों से अटकलों का बाजार गर्म था. अब प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खुद ही संशय के बादल को हटा दिया है. उन्होंने ऐलान किया कि उनकी कैबिनेट का गुरुवार को विस्तार गुरुवार को किया जाएगा. बीते दिनों शिवराज के दिल्ली दौरे के बाद मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाएं थीं. इस बारे में सीएम शिवराज की गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ चर्चा भी हुई थी. लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक के बाद अंतिम समय में कैबिनेट विस्तार पर विराम लग गया था. बताया जाता है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने समर्थकों के लिए 8 सीटों पर सहमति व्यक्त कर दी है। इनमें 6 नाम वे हैं, जो कमलनाथ मंत्रिमंडल में मंत्री थे। इनमें से तुलसी सिलावट और गोविन्द राजपूत को मंत्री बनाया जा चुका है। प्रद्युम्न सिंह तोमर, इमरती देवी, प्रभूराम चौधरी, महेन्द्र सिसोदिया का मंत्री बनना तय है। सिंधिया ने इनके अलावा अपने खास समर्थक राज्यवर्धन सिंह और ओपीएस भदौरिया को भी मंत्री बनाने की मांग की है। दरअसल दिल्ली में सिंधिया से मुलाकात के दौरान शिवराज सिंह चौहान ने बताया था,कि उनके कोटे से रणवीर जाटव का नाम मंत्री बनाने वालों की सूची में है। सिंधिया ने अब साफ कर दिया है, कि जाटव उनके कोटे से नहीं है। 3 मार्च को रणवीर जाटव सिंधिया को विश्वास में लिये बगैर सपा-बसपा विधायकों के साथ दिल्ली के रिसोर्ट पहुंच गए थे। प्रदेश में कांग्रेस सरकार गिरने के बाद भी रणवीर जाटव सिंधिया के बजाए भाजपा नेताओं के ज्यादा समीप हो गए हैं।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के पद की आनंदी बेन पटेल ने शपथ ली

भोपाल। राज्यपाल उत्तरप्रदेश श्रीमती आनंदी बेन पटेल को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री अजय कुमार मित्तल ने मध्यप्रदेश के राज्यपाल पद की शपथ राजभवन के सांदीपनि सभागार में दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व मुख्यमंत्री द्वय श्री कमलनाथ, श्री दिग्विजय सिंह, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट, आदिम जाति कल्याण मंत्री सुश्री मीना सिंह, सांसद एवं प्रदेशाध्यक्ष भाजपा श्री बी.डी. शर्मा, सांसद श्री विनय सहस्त्रबुद्धे, सांसद सुश्री प्रज्ञा ठाकुर, प्रदेश महामंत्री संगठन भाजपा श्री सुहास भगत, पुलिस महानिदेशक श्री विवेक जौहरी एवं अत्यंत सीमित संख्या में वरिष्ठ अधिकारी, गणमान्य जन उपस्थित थे। शपथ विधि का संचालन मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैस ने किया। शपथ ग्रहण उपरांत राज्यपाल श्रीमती पटेल को सुरक्षा बल द्वारा गार्ड ऑफ आनर दिया गया।

एलएसी पर बढ़ते तनाव के बीच चीन ने तैनाती बढ़ाई

जबाब में भारतीय सेना की तैनाती बढ़ी

नई दिल्ली। लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर बढ़ते तनाव के बीच चीन ने अपनी तैनाती और बढ़ा दी है। चीन की ओर से सेना के दो डिविजन की तैनाती भारतीय सीमा पर की गई है।इसके जवाब में भारतीय सेना ने भी तैनाती बढ़ा दी है। इस बीच भारतीय सेना को लगता है, कि दोनों देशों के बीच तनाव अक्टूबर तक जारी रहेगा। खबर है कि चीन के तिब्बत और शिनजियांग प्रांत में मौजूद 10 हजार अतिरिक्त सैनिक बीते दिनों से युद्धाभ्यास कर रहे हैं। एलएसी पर चीन की हर गतिविधि पर भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की नजर है। सरकार के सूत्रों ने एलएसी पर चीन की ओर से अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती की पुष्टि की है। इसके साथ ही गलवान घाटी, पेट्रोलिंग प्वाइंट-15, पैंगॉन्ग त्सो और फिंगर एरिया में भारतीय सेना ने तैनाती बढ़ा दी है। चीन से मुकाबले के लिए एक ब्रिगेड जितने जवानों की तैनाती की गई है। साथ ही भारतीय सेना ने रणनीति प्वाइंट्स पर अपनी तैनाती और बढ़ाकर टैंक-हथियार को पहुंचाया जा रहा है। सरकार के आधिकारिक सूत्रों ने बताया है कि चीन ने सीमा पर 20 हजार जवानों की तैनाती की है। इसके साथ ही चीन ने नॉर्दन शिनजियांग प्रांत में अपने अतिरिक्त डिविजन को भी एलएसी पर लाने का फैसला किया है। चीनी सेना का अतिरिक्त डिविजन 48 घंटे में भारतीय पोजिशन पर पहुंच सकता है। सरकार के सूत्रों का कहना है कि हम चीन की हर गतिविधि पर नजर रखे हुए है।

चीन से सीमा पर जारी तनाव के बीच लद्दाख जायेंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली. भारत और चीन में जारी सीमा विवाद के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह थल सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे के साथ सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने के लिये पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ-साथ लेह का भी दौरा करेंगे. केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पूर्वी लद्दाख का दौरा करने की खबर ऐसे समय में आई है जब तुरंत ही दोनों देशों के बीच कमांडर स्तर की वार्ता हुई है. जानकारी के अनुसार बीते दिनों सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने लद्दाख का दौरा किया था. उन्होंने अपने दौरे के दौरान गलवान घाटी में हिंसक झड़प में घायल हुये बिहार रेजिमेंट के जवानों से भी मुलाकात की थी. बताया जा रहा है कि लद्दाख यात्रा के दौरान सिंह सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक करने की संभावना है. भारत और चीन की सेनाओं के बीच पिछले सात सप्ताह से पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में कई जगहों पर गतिरोध की स्थिति बनी हुई है.

कुपवाड़ा में चार आतंकी और पाक के दो सैनिक ढेर

श्रीनगर । उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा पर फरकियां गली सेक्टर से घुसपैठ की बड़ी कोशिश सेना ने नाकाम कर दी। सेना की जवाबी कार्रवाई में दो आतंकी मारे गए, जबकि एक घायल है। वहीं, अनंतनाग में मुठभेड़ में दो आतंकी मारे गए। इस बीच बारामुला जिले के नौगाम सेक्टर में पाकिस्तानी गोलाबारी के जवाब में पीओके में एक चौकी तबाह कर दी गई। कम से कम दो सैनिक मारे गए और पांच से अधिक घायल हुए हैं। कुपवाड़ा जिले में एलओसी पर तैनात जवानों ने सोमवार-मंगलवार की रात आठ आतंकियों के दो ग्रुप को घुसपैठ करते देखा। इस पर आतंकियों को ललकारते हुए सेना ने भारी गोलीबारी की। सूत्रों ने बताया कि इसमें अल बद्र के दो आतंकी मारे गए और लश्कर-ए-ताइबा का एक आतंकी घायल हुआ है। यह अल बद्र और लश्कर का ग्रुप था। सेना की कार्रवाई से अन्य आतंकी डर गए और अंधेरे का फायदा उठाते हुए पीओके भाग निकले। वहीं, इस कार्रवाई से बौखलाए पाकिस्तानी सेना ने बारामुला जिले के नौगाम सेक्टर में मंगलवार को अग्रिम चौकियों व रिहायशी इलाकों को निशाना बनाकर गोले दागे। सेना की जवाबी कार्रवाई में पीओके में नीलम तथा लीपा घाटी में पाकिस्तान को भारी नुकसान उठाना पड़ा। उसकी एक चौकी तबाह हो गई।

प्रियंका गांधी को पहुंचा नोटिस, एक महीने में खाली करें दिल्ली स्थित बंगला

नई दिल्ली। सरकार ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से नढ दिल्ली स्थित बंगला एक अगस्त का खाली करने को कहा है. आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि एसपीजी सुरक्षा वापस लिए जाने के बाद उन्हें मौजूदा आवास 35 लोधी स्टेट खाली करना पड़ेगा, क्योंकि जेड प्लस की श्रेणी वाली सुरक्षा में आवासीय सुविधा नहीं मिलती. सरकार ने पिछले साल नवंबर में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की एसपीजी सुरक्षा वापस ले ली थी तथा उन्हें जेड-प्लस श्रेणी सुरक्षा दी थी.डिप्टी डायरेक्टर ऑफ एस्टेट्स की ओर से प्रियंका को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि तय वक्त के बाद भी बंगले में रहने पर किराया-जुर्माना देना होगा. पत्र में बंगला खाली कराने के पीछे एसपीजी सुरक्षा हटने को वजह बताया गया है. प्रियंका को एक महीने का नोटिस देकर बंगला खाली करने के लिए कहा गया है. सरकार के इस कदम का कांग्रेस समेत विपक्षी दलों की ओर से विरोध होना तय है.

लंबी बीमारी के बाद गोल्डन बाबा का निधन, एम्स में चल रहा था इलाज

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली स्थित गांधी नगर के रहने वाले सुधीर कुमार मक्कड़ उर्फ गोल्डन बाबा का निधन हो गया है। लंबी बीमार के बाद गोल्डन बाबा ने मंगलवार देर रात आखिरी सांस ली। उनका इलाज एम्स में चल रहा था। गोल्डन बाबा हरिद्वार के कई अखाड़ों से जुड़े रहे हैं और उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज थे। गोल्डन बाबा का असली नाम सुधीर कुमार मक्कड़ है। वह मूल रूप से गाजियाबाद के रहने वाले थे। बताया जाता है कि संन्यासी बनने से पहले सुधीर कुमार मक्कड़ दिल्ली में गारमेंट्स का कारोबार करते थे।

आम आदमी को बड़ा झटका, महंगा हुआ एलपीजी सिलेंडर

नई दिल्ली. पैट्रोल डीजल में बढ़ोतरी के बाद सरकार ने आम आदमी को एक और बड़ा झटका दिया है. जुलाई महीने की शुरुआत रसोई गैस के बढ़े हुए दाम के साथ हुई है. बता दें कि देश में गैस सिलेंडर के रेट की हर महीने समीक्षा होती है, इसके बाद इनके नए सिरे से रेट तय किए जाते हैं. कई बार इसमें घट-बढ़ होती है, तो कई बार यह स्थिर भी रहते हैं. लेकिन 1 जुलाई से गैस के रेट में बढ़ोत्तरी की गई है. गैस सिलेंडर के रेट इंडियन ऑयल कार्पोरेशन (आइओसी) तय करती है. इस महीने 14.2 किलो वाले गैस के रेट में बढ़ोत्तरी का फैसला लिया गया है. वहीं मई में गैस सिलेंडर के रेट में भारी कमी की गई थी. आइये जातने हैं कि देश के चारों महानगरों में इस बढ़ोत्तरी के बार नए रेट क्या हैं. इससे पहले दिल्ली में जून महीने के दौरान 14.2 किलोग्राम वाले गैर-सब्सिडाइज्ड एलपीजी सिलेंडर के दाम में 11.50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोत्तरी की गई, वहीं, मई में यह 162.50 रुपये तक सस्ता हुआ था. दिल्ली में अब गैस सिलेंडर के नए रेट दिल्ली में 1 जुलाई 2020 से गैस का सिलेंडर 1 रुपये महंगा मिलेगा. अभी तक यह सिलेंडर दिल्ली में 593 रुपये का मिल रहा था, जो अब 594 रुपये में मिलेगा.

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैंनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश

किसान जमीन के अनुरूप बेहतर फसल लगायें: तोमर

नई दिल्ली। कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कृषि को अधिक लाभकारी बनने के लिए अलग-अलग तरह की जमीन के अनुरूप फसलों के उन्नत प्रभेदों को लगाने की अपील की है। श्री तोमर ने किसानों के नाम एक पत्र में कहा कि मानसून लगभग पूरे देश में आ गया है और कुछ स्थानों पर फसलों कि बुआई का काम पूरा हो गया है जबकि कुछ स्थानों पर बुआई का काम जोर-शोर से चल रहा है। उन्होंने कहा कि फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए बेहतरीन कृषि कार्य करे। कृषि मंत्री ने किसानों की सराहना करते हुए कहा कि लॉकडाउन के दौरान भी उन्होंने पूरे समर्पण और उत्तरदायित्व के साथ कृषि कार्य पूरा किया है जबकि व्यापार और उद्योग को इसने प्रभावित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले तीन मह से कोरोना संकट से निपटा जा रहा है। बाधाओं के बावजूद रबी फसलों की कटाई और खरीद प्रक्रिया पूरी की गई। श्री तोमर ने कहा है कि खरीफ के दौरान धान मुख्य फसल है जिसके लगाने की बेहतरीन प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए। इसके साथ ही कीट नियंत्रण किया जाना चाहिए। जैविक कीटनाशक , कंपोस्ट तथा बीज उपचार किया जाना चाहिए। मिट्टी जांच की सिफारिशों के अनुसार रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बेहतर फसल प्रबंधन से फसलों की उपज कई गुना बढ़ाई जा सकती है। फसलों को लगाने से पहले सोच-समझ कर कर निर्णय किया जाना चाहिए। कृषि मंत्री ने जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान और जय अनुसंधान का उल्लेख करते हुए कहा कि श्री मोदी ने देश के आत्मनिर्भर होने पर जोर दिया है।

हम सब मिलकर आत्मसात करें और कोरोना को भगाने में सहयोगी बने- चम्बल कमिश्नर

किल कोरोना टीमों को परिवार के सदस्यों की सही जानकारी दें - कलेक्टर

मुरैना जिले में किल-कोरोना अभियान की शुरूआत अधिकारियों ने की

मुरैना। किल-कोरोना अभियान में डोर-टू-डोर सर्वे दल के सदस्य पहुंचकर आज से प्रारंभ कर रहे है, सभी नागरिक अभियान मे सर्वे टीम को सही जानकारी देकर कोरोना को भगाने में सहयोगी बनें। यह बात चम्बल कमिश्नर श्री रवीन्द्र कुमार मिश्रा ने किल कोरोना अभियान का शुभारंभ अवसर पर कही । वे आज निगम की इस्लामपुरा बस्ती में पहुंचे थे। इस अवसर पर आईजी चंबल रेंज श्री मनोज शर्मा, कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास, पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तरूण भटनागर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हंसराज सिंह, अपर कलेक्टर श्री एसके मिश्रा एसडीएम सहित राजस्व एवं पुलिस तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। चंबल कमिश्नर श्री रवीन्द्र कुमार मिश्रा ने कहा कि कोविड-19 के व्यापक सर्वेलेन्स के लिए प्रदेश भर में 15 दिवसीय स्पेशल फीवर स्क्रीनिंग कैम्पेन '' किल कोरोना '' अभियान चलाया जा रहा है। अभियान की शुरूआत मुरैना जिले में बुधवार को की गई है। कमिश्नर श्री मिश्रा ने कहा कि आज पूरा विश्व इस वैश्विक महामारी कोरोना से जूझ रहा है। देश, प्रदेश और हमारा जिला भी इस महामारी से चार माह से लगातार संघर्ष कर रहा है। हमारे कोरोना योद्धा इस मिशन में लगे हुए है। अब ये योद्धा जिले के हर घर-घर पहुंचकर सर्वे और जांच करेगें। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि किल कोरोना अभियान में घर-घर पहुंच रहे सर्वे दल को आवश्यक जानकारी देकर सहयोग प्रदान करें। सर्दी- खांसी जुकाम के साथ डेंगू, मलेरिया, डायरिया आदि के लक्षण पाए जाने पर भी जरूरी परामर्श और उपचार नागरिकों को मिलेगा। नागरिकों के सहयोग से ही हम कोरोना महामारी को हराने में समर्थ हो पाएंगे। मध्य प्रदेश में चलाया जा रहा किल-कोरोना अभियान पूरी दुनिया और देश में पहला अभियान है। जिसे एक उदाहरण के रूप में याद किया जायेगा। यह अभियान कोरोना को जड़ से समाप्त करने का महाअभियान है। मुरैना जिले में करीबन 19 लाख जनसंख्या के लिये 285 टीमें घर-घर पहुंचकर अभियान को सफल बनायेगी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार व्यक्ति न्यू राशन कार्ड बनवाने के लिये घर के सभी सदस्यों की जानकारी प्रदान करता है ठीक उसी प्रकार किल कोरोना अभियान में परिवार के समस्त सदस्यों की जानकारी बतायें उसे छिपायें नहीं। जिससे कारोना का खात्माकर अपने व्यापार, दुकान, प्रतिष्ठानों को खोल सकेंगे । उन्होंने कहा कि कोरोना के कारण नातेदारी-रिस्तेदारियों में भी आना जाना नहीं हो पा रहा है। श्री मिश्रा ने कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी पर हम अपनी समर्पित सेवाओं व राष्ट्रहित, सामाजिक, जनहित में निरंतर समन्वित प्रयास से विजय प्राप्त करेंगे। ''किल कोरोना'' दल के सदस्य के रूप में हम निरंतर समर्पित, पूर्ण निष्ठा व निःस्वार्थ भाव से प्रत्येक नागरिक का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनके स्वस्थ्य रहने इस बीमारी से बचाव, नियंत्रण व उपचार हेतु परामर्श देगें व आवश्यकतानुसार उपचार का समाधानकारक कार्य भी करेगें। कोरोना हारेगा और हम जितेगें यही हम सब का संकल्प है।'' चंबल रेंज आईजी श्री मनोज शर्मा ने कहा कि किल कोरोना अभियान में पुलिस प्रशासन भी टीम के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग प्रदान करेगा। वो दिन दूर नहीं कि हम सब मिलकर कोरोना को हराकर ही दम लेंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस के जवान सभी के भाई हैं। उनके साथ भी सहयोग प्रदान करें।

अभियान में कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने कहा कि किल कोरोना अभियान की टीम प्रत्येक घर पहुंचकर बीमारी के बारे में पूछताछ करेगी और इंफ्रारेड थर्मामीटर, पल्स ऑक्सीजन यंत्र से मशीन से व्यक्ति के शरीर की ऑक्सीजन को ज्ञात किया जायेगा। इसके बाद डॉक्टरों की टीम घर-घर पहुंचेगी और जो व्यक्ति बुखार, जुकाम या मलेरिया के मरीज मिलेंगे उनका समुचित इलाज करेगी। आवश्यक पड़ने पर कोरोना की जांच भी करायेगी। कोरोना से घबरायें नहीं कोरोना एक साधारण बीमारी है। अब इसके लिये जांच जिला चिकित्सालय में नहीं बल्कि जीवाजी क्लब वीआईपी रोड़ पर की जा रही है। डोर-टू-डोर होगा सर्वे डोर-टू-डोर सर्वे के लिए पूरे जिले में प्रतिदिन घर-घर सर्वे के लिए आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं की 285 टीमें गठित की गई हैं। सुपरवाईजर टीम एवं डाक्टरों की टीम जायेगी हैल्थ चैकअप के उपरान्त आवश्यक हुआ तो सेम्पलिंग की जांच करवायेंगी। प्रत्येक टीम को नॉन कान्टेक्ट थर्मामीटर, पल्स ऑक्सीमीटर और जरूरी प्रोटेक्टिव गियर उपलब्ध कराया गया है।

सार्थक एप में संदिग्ध मरीजों की होगी प्रविष्टि

किल कोरोना अभियान में सर्वे द्वारा कोरोना संदिग्ध मरीजों के साथ-साथ मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया आदि के संदिग्ध मरीजों को भी चिन्हांकित कर इनकी प्रविष्टि सार्थक एप में की जायेगी। कोविड-19 के संदिग्धों की जिनकी प्रविष्टि सार्थक एप पर की जाती है, सम्बन्धित क्षेत्रों के मरीजों की सेम्पलिंग की जायेगी। रोजाना चिन्हित किये गये संदिग्धों की सेम्पलिंग के बाद उनकी टेस्टिंग की जायेगी।

दबोह की जनता से मिला प्यार हमेशा याद रखूंगा-वेदराम यादव

एसआई वेदराम यादव का सेवानिवृत्त समारोह सम्पन्न

(अर्पित गुप्ता)

दबोह। दबोह की जनता से मिला प्यार हमेशा याद रखूंगा यह बात दबोह

थाने में अपनी सेवाएं दे रहे एसआई वेदराम यादव ने अपने सेवानिवृत्त समारोह के दौरान कही।वेदराम यादव जी दबोह थाने में दूसरी बार अपनी सेवाएं दे रहे थे।वह काफी व्यवहार कुशल व व्यक्तित्व के धनी एवम सुलझे हुए व्यक्ति हैं।उन्होंने ज्यादा से ज्यादा प्रकरणों को दोनों पक्षो के आपसी सामंजस्य से ही निपटाया है।एसआई वेदराम यादव ने थाना परिसर में आयोजित सेवानिवृत्त कार्यक्रम के दौरान कहा कि पुलिस अधीक्षक महोदय का सन्देश है कि जनता और पुलिस के बीच जो भेदभाव है वह खत्म हो व् दोनों के बीच की दूरी समाप्त हो जिससे अपराध पर अंकुश लगाया जा सके क्यों कि अच्छे नागरिक और पत्रकारो के तालमेल से अपराधियो के षडयंत्र को खत्म किया जा सकता है और माननीय पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में जल्द ही जिले से क्राइम खत्म हो जाएगा।श्री यादव जी की कार्यशैली बहुत ही सरल रही उन्होंने दबोह क्षेत्र की जनता में पुलिस के भय को दूर किया जिससे लोग अपने अंदर की भावनाएं बता सके।यहां बता दें कि श्री यादव जी अब अपनी सेवा से सेवानिवृत्त हो गए हैं जिसके चलते थाना परिसर दबोह में उनका सेवानिवृत्त कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिस दौरान थाना प्रभारी विनोद विनायक करकरे द्वारा श्री यादव जी का शॉल श्रीफल देकर उन्हें सम्मानित किया गया।।

कौन कौन रहा मौजूदः एएसआई रविन्द्र मांझी,श्रीकृष्ण दिवान जी,बलवीर दिवान जी,आरक्षक गजेंद्र सिंह,आरक्षक रामशंकर राठौर,आरक्षक सिद्धांत कौरव,सुनील,आरक्षक सतेंद्र गुर्जर,आरक्षक नरेश,आरक्षक अभिषेक आदि के साथ समस्त थाना स्टाफ व पूर्व नप उपाध्यक्ष रफीक खान मौजूद रहे..!

ट्रैक्टर एवं ट्रक में जबरदस्त भिड़ंत, ट्रक चालक की मौक पर ही मौत।

दुर्ग सिंह लोधी पुष्पांजली टुडे,

करेरा । जिले के दिनारा थाना क्षेत्र के थनरा चौकी के अन्तर्गत ग्राम उटवाहा के नेशनल हाइवे 27 पर आज सुबह लगभग 5 बजे पत्थर से भरे ट्रेक्टर में पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी। जिसमें ट्रक चालक अली अहमद निवासी बस्ती उ.प्र की मौक पर ही मौत हो गई एवं क्लीनर इरशाद खान गंभीर घायल हो गया। और ट्रैक्टर चालक रामकुमार शर्मा को भी गम्भीर रूप से चोटें आई है दिनारा थाना प्रभारी रिपुदमन सिंह व थनरा चौकी प्रभारी विनोद गौतम अपनी पुलिस टीम के साथ पहुचें मौके पर और घायलों को शीघ्रता से एम्बुलेंस के माध्यम से उपचार के लिए झाँसी भेज दिया गया है।

एसपी-कलेक्टर ने शहर का भ्रमण कर कंटेनमेंट एरिया का किया निरीक्षण

शहर में फालतू घूम रहे लोगों को न घूमने की हिदायत दी

(अर्पित गुप्ता)

भिण्ड। कलेक्टर वीरेंद्र सिंह रावत एवं पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने शहर के सदर बाजार में बनाए गए कंटेनमेंट क्षेत्र का निरीक्षण किया। कंटेनमेंट क्षेत्र में घूम रहे लोगों को अंदर ना आने की राय थी शहर के लश्कर रोड पातीराम शिवहरे एवं बाईपास का निरीक्षण कर लोगों को कोविड 19 का पालन करने की हिदायत दी। वाहन चालकों को एसडीएम ओम नारायण सिंह द्वारा मास्क पहनकर

वाहन चलाने की समझाइश दी। शहर में लगे ठेलो को व्यवस्थित तरीके से लगाने एवं मास्क पहनकर सामग्री की होम डिलीवरी करने की समझाइश दी। इसके साथ ही कलेक्टर वीरेंद्र सिंह रावत ने एवं पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने दो जगह शादी समारोह का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जितने लोगों की अनुमति दी गई है उतने ही लोग शादी समारोह में शामिल होने की समझाइश दी तथा कोशिश 19 का पालन करने को कहाढ्ढ निरीक्षण के दौरान एडीएम अनिल कुमार चांदल, एसडीएम ओम नारायण सिंह ,सीएसपी आनंद राय, सीएमएचओ डॉ अजीत मिश्रा के अलावा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।।

भिंड वक्फ बोर्ड कमेटी के अध्यक्ष यूनिस खान का हाल जानने पहुचे पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ.गोविंद सिंह

दबोह। दबोह नगर के वरिष्ठ समाज सेवी पूर्व हज कमेटी डायरेक्टर भोपाल मध्यप्रदेश,बर्तमान में भिंड वक्फ बोर्ड कमेटी के अध्यक्ष यूनिस खान की बीते माह 16 मई 2020 से पैरालाइसिस अटैक से उनकी तवियत खराव चल रही है।जिसके चलते पूर्व मप्र शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री,वर्तमान विधायक लहार डॉ.गोविंद सिंह जी उनके निवास पर पहुँचे और उनका हाल जानकर ईश्वर से स्वस्थ्य होने की कामना की।यहाँ बता

दें कि यूनिस खान दबोह के बिकास के लिये सदैव प्रयत्नशील रहे हैं।पहली बार नगर पंचायत के गठन के उपरांत दबोह नगर पंचायत के प्रथम उपाध्यक्ष बने।राजनीत के सफर में फिर आलमपुर मंडी के प्रथम गठन पर पहले मंडी अध्यक्ष भी बने।इस अवसर पर उनके निवास पर विधायक डॉ. गोविंद सिंह जी के साथ अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।।

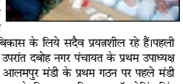

शासन प्रसासन की धीमामस्ती से अम्बाह में कोरोना का कहर शहर में नाम के लिये नहीं दिखती पुलिस...

जब सिर तक पानी आया तब जागा प्रसासन मची खलबली तीन दिन रहेगा अंबाह में लॉकडाउन...

रिपोटर सुनील तोमर अम्बाह?

अम्बाह...कोरोना वायरस के मुरैना बढ़ रहे मामले और अम्बाह में एक बिजली कर्मी के पॉजिटिव आने के बाद शहर में जनप्रतिनिधि और व्यापारियों ने प्रशासन को जगाया और मिलकर उनके साथ बैठक कर 3 दिन तक शहर में सख्ती बरतने का फैसला किया है।

2 से 4 जुलाई तक तीन दिनों के लिए टोटल लॉकडाउन रहेगा। पेट्रोल पंप सहित खाद बीज मेडिकल केअलावा कोई दुकानें नहीं खोली जा सकेगी, दूध

और सब्जी की सप्लाई घर-घर दी जाएगी सड़कों पर विना वजह कोई भी वाहन नहीं चलेगा। दोपहिया चार पहिया वाहन किसी भी स्थिति में वे वजह सड़क पर दिखाई नहीं देंगे बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि कोरोनावायरस की रोकथाम के लिए नागरिकों का सतर्क रहना जरूरी है बैठक में चर्चा की गई कि कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोनावायरस के मामले गंभीर स्थिति पैदा कर सकते है इसलिए लोगों को सावधानी बरतने के साथ-साथ इस बंद में सहयोग करना चाहिए बैठक में एसडीएम विनोद सिंह सहित एसडीओपी अबनीश बंसल व समाज सेबी कबीन्द्र तोमर, खेमसिह भदोरिया, कल्ला शर्मा, बच्चूलाल गुप्ता, सोनू गोयल, गणेशी तोमर, प्रमुख रूप से मौजूद थे

अम्बाह...कोरोना पॉजिटिव निकला विद्युत कर्मचारी कार्यालय 2 दिन के लिए बंद...

अम्बाह। विद्युत कंपनी अंबाह के कर्मचारी श्री राम सिकरवार के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद विद्युत कंपनी ने अपने कर्मचारियों को सुरक्षात्मक तौर पर होम क्वॉरेंटाइन होने को कहा है बिभाग ने उपभोक्ताओं एवं स्टाफ की सुरक्षा की दृष्टि से विद्युत कार्यालय को 2 दिन के लिए बंद कर दिया है विद्युत कंपनी के जेई नीरज लुनिया ने बताया कि श्री राम सिकरवार पॉजिटिव आने से पूर्व स्टाफ के संपर्क रहा इसलिए 3 दिन तक उसकी संपर्क का पूरा स्टाफ अलग रहेगा कोरोना के लक्षण पाए जाने पर सभी के सैंपल कराए जाएंगे उधर पॉजिटिव कर्मचारी श्रीराम सिकरवार का अंबाह चिकित्सालय के स्पेशल वार्ड में चिकित्सकों ने इलाज शुरू कर दिया है

बिलासपुर में 211 लोगो का बिना मास्क के हुआ चालान - 32 हजार रु राशि हुई एकत्रित

अभिषेक मिश्रा हिमाचल प्रदेश

कोविड-19 नियमों को ठेंगे पर दिखाने वाले और बिना मास्क से बाजारों या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर घुमने वाले लोगों के खिलाफ पिछले एक पखवाड़े से पुलिस विभाग द्वारा छेड़ी गई मुहिम के तहत पुलिस ने 211 लोगों के बिना मास्क के चालान किए हैं और इनसे 32 हजार रूपए जुर्माना वसूला है। कोरोना वायरस के संभावित खतरे से बचने के लिए चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के बाद अब बिना मास्क से सड़क पर चलने वाले राहगीरों, दुकानदारों व भीड़भाड़ वाले स्थानों पर बिना मास्क से घुमने वालों के चालान काट कर उन्हें कानून का पाठ तथा कोरोना बीमारी के खतरे से भी अवगत करवाया जा रहा है। वहीं थाना प्रभारी सदर यशवंत ठाकुर ने बताया कि इस बाबत जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा अधिसूचना जारी की है। जिसके तहत हिमाचल प्रदेश पुलिस अधिनियम-2007 के तहत इस नियम का प्रावधान हैं। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक स्थान

पर यदि कोई व्यक्ति बिना मास्क से दिखाई देता है तो पुलिस को उसका चालान काटने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि इस नियम के तहत दो सौ रूपए से लेकर 5 हजार रूपए तक का जुर्माना हो सकता है तथा आठ दिन की जेल भी हो सकती है। उन्होंने बताया कि उक्त दोनो सजाएं साथ भी हो सकती है। एसएचओ यशवंत ठाकुर ने दुकानदारों को भी अपनी दुकानों या प्रतिष्ठानों में मास्क का पहनना लाजिमी है। जागरूक लोग दुकानदार को मास्क पहनने या दुकानदार अपने ग्राहकों को मास्क पहनने के लिए कह सकते हैं। उन्होंने बताया कि कम्यूनिटी स्प्रेडिंग का खतरा अब ज्यादा है, क्योंकि आवाजाही में भारी वृद्धि हुई है। लोगों को अपना ध्यान स्वयं रखना होगा। थानाध्यक्ष ने बताया कि दफतरों में काम करने वाले कर्मचारी, सड़कों पर चलने वाले राहगीर, दुकानदार और अन्य लोगों में यदि कोई भी यदि कोई भी कोविड-19 नियमों का उल्लंघन करता हुआ पाया जाता है तो उसके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। उन्होंने बिलासपुर की जनता से अपील की है कि जब भी वे घर से बाहर निकलें तो पूरी सावधानी से मास्क आदि लगाकर निकलें। सार्वजनिक स्थलों पर दो मीटर की दूरी बनाएं, जगह-जगह न थूकें आदि सावधानियों का ध्यान रखें।

मध्यप्रदेश को बनायें कोरोना मुक्त और रोगमुक्त

प्रदेश में पन्द्रह दिवसीय किल-कोरोना अभियान का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवस से आगामी 15 दिवस तक संचालित होने वाले %किल कोरोना% अभियान का समन्वय भवन भोपाल में शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना से जंग हम सबको मिलकर लड़ना है। हमारी जीत निश्चित है। हम सभी संकल्प लें कि मध्यप्रदेश को कोरोना मुक्त और रोगमुक्त बनायें। उन्होंने कोरोना के खात्मे के लिए किल-कोरोना अभियान में आमजन से सक्रिय सहयोग का आव्हान किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने %सार्थक लाइट% एप का शुभारंभ किया। उन्होंने लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा प्रकाशित %द स्ट्रेटेजी डाक्यूमेंट कोविड-19 रिस्पांस टू रिकवरी सस्टनेबल साल्यूशन% बुकलेट का भी लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कोरोना के प्रति जागरूकता लाने वाले आईईसी वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सांसद सुश्री प्रज्ञा ठाकुर, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, श्रीमती कृष्णा गौर और श्री सुरेन्द्र सिंह शेरा उपस्थित थे। समन्वय भवन में सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए बैठक व्यवस्था की गई थी मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्वास्थ्य दिवस और डाक्टर्स-डे पर इस अभियान का शुभारंभ करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में चिकित्सकों और अन्य पैरामेडिकल स्टाफ के समर्पित प्रयासों से कोरोना के नियंत्रण की वर्तमान स्थिति बनी है। डॉक्टर को भगवान माना जाता है। मध्यप्रदेश में भी इस मान्यता को चरितार्थ करते हुए चिकित्सकों ने इतिहास रचा है। उन्होंने दिन-रात लगातार संक्रमण से प्रभावित लोगों की सेवा की। बहुत से चिकित्सक रात्रि में अपने चार पहिया वाहन में ही सोये। कई चिकित्सकों ने अपने नवजात बच्चों का चेहरा भी नहीं देखा और अस्पताल में ड्यूटी पर बने रहने के कारण परिवार के सदस्यों

से दूरी बनाये रखी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ऐसे चिकित्सक अभिनंदन के पात्र हैं। डॉक्टर्स के साथ ही नर्सिंग स्टाफ, वार्ड बॉय, अन्य स्वास्थ्य कर्मी, आंगनवाड़ी वर्कर और आशा बहनों ने भी सेवा का इतिहास रचा है। यह भावना न होती तो बीमारी विनाश की ओर ले जा सकती थी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्वैच्छिक संगठनों का भी आभार माना। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के चमत्कारिक नेतृत्व से जहाँ पूरे देश में कोरोना नियंत्रण में सफलता मिली है, वहीं मध्यप्रदेश में स्थिति अच्छी है। आईआईटीटी अर्थात आइडेंटिफिकेशन सँदिग्धों और मरीजों की जल्द पहचान, आइसोलेशन सँदिग्ध मरीजों के पृथक वास और पुष्ट मरीजों को अस्पतालों के पृथक वार्डों में भेजना, टेस्टिंग ज्यादा से ज्यादा नमूनों की जांच और इलाज की सुविधाएं बढ़ाने की रणनीति से रोग को नियंत्रित करने में सफलता मिली है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि तीन माह पूर्व एक जांच लैब थी और सिर्फ 60 टेस्ट प्रतिदिन होते थे। अब हम प्रदेश में कोरोना की जांच के लिए 30 लैब विकसित करते हुए, प्रतिदिन 9 हजार टेस्ट तक पहुँच गये हैं। प्रदेश का रिकवरी रेट 77 प्रतिशत है। यह अन्य प्रदेशों से अच्छा है। संक्रमण कम हो गया है। हमारी व्यवस्थाएं मजबूत हैं। हम निजी अस्पतालों का भी सहयोग ले रहे हैं। जिलों में आईसीयू बेड पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। इन्दौर और भोपाल में कोरोना को नियंत्रित करने में सफलता मिली है। घर-घर में सर्वे से अब कोरोना पूरी तरह नियंत्रित होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मुरैना क्षेत्र में धौलपुर से आने वाले व्यक्तियों की स्क्रीनिंग भी की जा रही है। अंतर्राज्यीय मार्ग, संक्रमण का कारण न बनें, इसके लिए सावधानी बरतने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में लगभग एक हजार फीवर क्लिनिक कार्य कर रहे हैं। आज से प्रारंभ अभियान में कोविड मित्र बनाए जा रहे हैं। आमजन से आव्हान है कि कोविड मित्र बनकर अभियान में सहयोग करें। व्यापक सर्वे के माध्यम से प्रदेश का प्रत्येक परिवार कवर करते हुए रोगमुक्त मध्यप्रदेश का लक्ष्य पूरा करना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि समय पर रोग की पहचान और उपचार से यह घातक नहीं हो पाता और व्यक्ति स्वस्थ हो जाता है। प्रत्येक व्यक्ति किल-कोरोना अभियान के अंतर्गत कोरोना के अलावा मलेरिया, डेंगू, डायरिया, सामान्य सर्दी-खांसी की जांच करवा कर इस जंग में विजयी होने में सहयोग प्रदान करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह बात सही है कि अनंतकाल तक लॉक डाउन कायम नहीं रखा जा सकता था। आर्थिक गतिविधियां प्रारंभ करना भी बहुत आवश्यक था, लेकिन अनलॉक होने से लोग बाजारों में बहुत भीड़ न लगाएं। यह स्थिति खतरनाक हो सकती है। दिलों में दूरियाँ न हों लेकिन शरीर की दूरी रखनी पड़ेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हम काढ़ा भूल गए थे। अब उसकी उपयोगिता समझ आई है। हमारे भारतीय नुस्खों ने कमाल किया है। थूकने की आदत भी खतरनाक है। स्वच्छता का ध्यान रखना होगा। सभी प्रदेशवासियों को हर व्यक्ति की जांच कराने का कार्य खुद आगे बढ़कर करना चाहिए। हम तभी इस लड़ाई को लड़ते हुए जीतेंगे और कोरोना हारेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मीडिया प्रतिनिधियों से भी कोरोना जागरूकता की दिशा में पूर्व में दिए गए सहयोग को बनाये रखते हुए भागीदारी का आव्हान किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विभिन्न चिकित्सकों से भी बातचीत की और उनकी सेवाओं के लिए आभार माना। इन चिकित्सकों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को जानकारी दी कि यह उनका संकल्प है कि आमजन को स्वास्थ्य सेवाएं देने में कभी पीछे नहीं हटेंगे। इनमें दन्त चिकित्सक डॉ. संजुला चतुर्वेदी, डॉ. हर्षा पाटिल, डॉ. पूनम चंदानी, डॉ. प्रशांत ठाकुर, डॉ. नितीश सोनी और आयुष चिकित्सक डॉ. जितेंद्र राठौर, डॉ. नेहा ठाकुर और डॉ. पूर्णिमा चौहान शामिल हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने गणेश मंदिर में की पूजा - अर्चना

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद दिग्विजय सिंह ने श्री गणेश मंदिर महाराष्ट्र समाज भवन पहुंच कर पूजा अर्चना की। इस मौके पर पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, पूर्व सांसद रामेश्वर नीखरा और महाराष्ट्र समाज के पदाधिकारी मौजूद थे। उन्होने बताया कि आज आषाढ़ी एकादशी के अवसर पर महाराष्ट्र समाज भवन स्थित भगवान बिट्ठोबा के

दर्शन एवं पूजा अर्चना की। मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होने कहा कि वे 1992 से भगवान विट्ठोबा के दर्शन करने के लिए पंडरपुर जाते रहे है लेकिन भाजपा के शासन काल वाले पिछले 15 साल इस मंदिर की देखरेख नही हो पाई थी लेकिन पिछले साल पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार कराया मैं उनका आभारी हूं।

अखिलेश यादव के जन्म दिन पर सपा नेता कृष्णचन्द्र ने रोपे पौध

बस्ती । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्म दिन बुधवार को सादगी के साथ मनाया गया। पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश सचिव कृष्ण चन्द्र सिंह ने संजाफी देवी सेवा संस्थान के कार्यालय पर आम का पौध रोपकर उनके दीर्घायु जीवन की कामना किया। कहा कि अखिलेश यादव ने अपने मुख्यमंत्री के कार्यकाल में अनेक उपलब्धियां अर्जित किया था जिसे लोग आज याद कर रहे हैं। कहा कि जिस प्रकार से भाजपा सरकार से जनता का मोह भंग हो रहा है ऐसे में स्पष्ट संकेत है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी पूर्ण बहुमत की सरकार बनायेगी।

छात्रों को राशि के बदले गणवेश देने की तैयारी

भोपाल । मध्यप्रदेश शासन ने इस बार सरकारी स्कूलों के बच्चों को राशि के बदले गणवेश देने की तैयारी की है। प्रदेश के स्कूल सितंबर से खुलने की संभावना है। इससे पहले बच्चों को गणवेश मिल जाएगा। राज्य शिक्षा केंद्र ने सभी जिला कलेक्टर्स और जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर कहा है कि बच्चों के लिए गणवेश जल्द तैयार करवाए जाएं। यूनिफॉर्म सिलने की जिम्मेदारी पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के तहत संचालित स्व सहायता समूहों को दी गई है। इन समूहों को स्कूल खुलने से पहले गणवेश तैयार करना है। प्रदेश भर के सरकारी

15 अगस्त से पहले मिल सकती है गणवेश

स्कूलों के पहली से आठवीं कक्षा के 70 लाख बच्चों के लिए गणवेश तैयार किया जाएगा। बच्चों के लिए 600 रुपये में दो जोड़ी यूनिफॉर्म स्टैंडर्ड साइज के हिसाब से बनेगी है। पिछले कई सालों से विद्यार्थियों को गणवेश खरीदने के लिए राशि दी जाती थी। 2018 में शासन ने राशि के बदले गणवेश देने का फैसला लिया। फिर 2019 में गणवेश वितरण में साइज को लेकर अनियमितता के कारण राशि प्रदान की गई। राज्य शिक्षा केंद्र के अधिकारियों का कहना है कि 15 अगस्त से पहले बच्चों को गणवेश मिल जाएंगी। यमरी व मिडिल के लिए अलग-अलग डिजाइन प्रायमरी व मिडिल के बच्चों के लिए यूनिफॉर्म की डिजाइन एवं रंग अलग-अलग होगा। प्रायमरी स्कूल की छात्राओं को ट्यूनिक, शर्ट एवं लैगी एवं छात्रों को हॉफ शर्ट व पैंट दी जाएगी।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सलामी गारद का निरीक्षण किया।

बच्चों का कोरोना टेस्ट से पहले पिलाया जाएगा फ्लेवर्ड मिल्क

भोपाल। प्रदेश में 1 जुलाई से किल कोरोना कैंपेन शुरू हो रहा है लेकिन इसमें खास बात है बच्चों का कोरोना टेस्ट। उन्हें चॉकलेट और फ्लेवर्ड मिल्क पिलाकर कोरोना की जांच की जाएगी। इसके पीछे कन्सेप्ट यही है कि जिन्हें कोरोना होता है उनकी सूंघने और स्वाद की ताकत कम हो जाती है। बच्चे क्योंकि जाहिर नहीं कर पाते इसलिए चॉकलेट खिलाकर पता किया जाएगा कि कहीं उसे कोरोना तो नहीं। 1 जुलाई से प्रदेश भर में कोरोना को मात देने किल कोरोना अभियान चलाया जाएगा। सैंपल टेस्ट करने वाली टीम को बच्चों की टेस्टिंग पर खास ध्यान देने के लिए कहा गया है। वायरस की म्यूटेशन लगातार जारी है।

एकल नागरिक डाटाबेस नागरिकों के लिए होगा अत्यंत लाभदायी

भोपाल । मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशन में प्रदेश में एकल नागरिक डाटाबेस पर कार्य किया जा रहा है। यह नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी होगा। इसके बन जाने से विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ देने के लिए आवश्यक जानकारी एक ही स्थान पर मिल जाएगी। विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को अलग-अलग योजना के लिए बार-बार जानकारी देने की आवश्यकता नहीं होगी। एकल नागरिक डाटाबेस में उपलब्ध जानकारियों का उपयोग विभिन्न योजनाओं का लाभ दिए जाने के लिए किया जा सकेगा। एकल नागरिक डाटाबेस बन जाने से विभिन्न योजनाओं का लाभ देने के लिए हितग्राहियों से जानकारियाँ प्राप्त करने में लगने वाला समय बचेगा, जिससे कि योजनाओं का त्वरित लाभ देने में आसानी होगी। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 700 हितग्राही मूलक योजनाएं संचालित हैं, जिनका लाभ देने के लिए हितग्राहियों का पृथक-पृथक पंजीयन करना होता है। एकल नागरिक डाटाबेस तैयार होने जाने से अजा-अजजा, पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग को विद्यालयों,

विभिन्न योजनाओं का लाभ देने के लिए एक ही स्थान पर मिल जाएगी पूरी जानकारी

महाविद्यालयों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश तथा छात्रवृत्ति आदि के लिए आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवासी प्रमाण पत्र आदि नहीं मांगने होंगे। एकल नागरिक डाटाबेस में उनका सारा रिकार्ड पहले से ही दर्ज होगा। इससे एक ओर जहां विद्यार्थियों को सुविधा होगी, वहीं बहुत सा समय बचेगा। एकल नागरिक डाटाबेस बनाने के लिए शासन के विभिन्न डाटाबेस समग्र आई.डी., भूमि रिकार्ड, वोटर आई.डी, आधार रिकार्ड आदि का एकीकरण किया जाएगा। इसके लिए बायोमेट्रिक सत्यापन किया जाएगा। साथ ही नागरिकों के डाटा को निरंतर अपडेट करने की व्यवस्था भी की जाएगी। राजस्थान में %भामा शाह योजना%% के नाम से एकल नागरिक डाटाबेस लागू है। इसी प्रकार आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना में इसे %प्रजा साधिकार% का नाम दिया गया है। एकल नागरिक डाटाबेस में नागरिक का नाम, उम्र, पता, आय, भूमि रिकार्ड, वाहन रिकार्ड, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, मूल निवास, जाति, अधिवास, निर्वाचन संबंधी, फसल, बीमा संबंधी जानकारी, बैंक ऋण, ड्राइविंग लायसेंस, छात्रवृत्ति, कौशल, रोजगार, खाद्यान्न सुरक्षा योजना, गरीबी रेखा प्रमाण पत्र आदि संबंधी जानकारियाँ होंगी।

काँटो का ताज : मुख्यमंत्री शिवराज के सफल 100 दिन कोरोना को मात

भोपाल। 23 मार्च 2020 - यही वह दिन था जब शिवराज सिंह चौहान पुन: मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री बने। पर इस बार स्थिति पहले जैसी नहीं थी। यह एक कांटों का ताज जैसा था। प्रदेश में जहां एक ओर कोरोना ने पांव पसारे हुए थे, वहीं आर्थिक स्थिति रसातल में पहुंच चुकी थी। शिवराज की स्थिति रणभूमि में खड़े उस कर्मठ योद्धा की तरह थी, जिसके हाथ में कोई हथियार नहीं था और सामने प्रबल शत्रु लड़ने के लिए तैयार था। ऐसी स्थिति किसी भी जनसेवक के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है। पर शिवराज कोई कच्चे खिलाड़ी नहीं हैं। तीन बार मुख्यमंत्री पद के अनुभव के साथ लंबा राजनीतिक एवं प्रशासनिक अनुभव उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। जनता की सेवा का उनका जज्बा अतुलनीय है। वह

प्रदेश को अपना मंदिर, जनता को भगवान और स्वयं को उसका पुजारी समझते हैं। शिवराज ने कमर कस ली और 100 दिन की अल्पावधि में ही न केवल कोरोना पर प्रभावी नियंत्रण पा लिया बल्कि ध्वस्त पड़ी अर्थव्यवस्था में भी नए प्राणों का संचार कर दिया। कार्यभार ग्रहण करते ही शिवराज ने रात में ही मंत्रालय में अधिकारियों की बैठक ली। उन्हें यह भान तो था ही कि प्रदेश की स्थिति विकट है, परंतु यह अंदाजा बिल्कुल भी न था कि कोरोना से निपटने के लिए व्यवस्थाएं शून्य हैं। चकाचौंध के पीछे की स्याही को शायद किसी ने अनुभव ही नहीं किया था। कर्जमाफी के लुभावने वादों, आईफा जैसे आकर्षक आयोजनों से कुछ दिन तो दिल बहलाया जा सकता था, परंतु धरातल पर यह कितने दिन टिकते? एक ओर जहां प्रदेश के कुछ बड़े नगरों में कोरोना अपना असर दिखा रहा था, वहीं दूसरी ओर उससे लड़ने के लिए कोई इंतजामात नहीं थे। प्रदेश में मात्र एक लैब था जिसकी 60 टैस्ट प्रतिदिन क्षमता थी। कोविड अस्पताल तैयार नहीं थे और न मास्क, पीपीई किट, ऑक्सीजन सिलेंडर, वेंटीलेटर्स की ही व्यवस्था थी। संक्रमण की स्थिति में जल्दी से जल्दी सारी व्यवस्थाएं करना %हरकुलियन टास्क%% था। शिवराज सिंह ने अधिकारियों, प्रबुद्धजनों, समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों, मीडिया आदि सभी से विचार-विमर्श कर कोरोना पर नियंत्रण की प्रभावी रणनीति बनाकर इस पर तेजी से अमल शुरू किया। आई.आई.टी.टी अर्थात %आईडेंटीफाई, आयसोलेट, टैस्ट एण्ड ट्रीटमेंट%% की रणनीति बनाई गई। हर जिले में डेडिकेटेड कोविड अस्पताल, कोविड केयर सेंटर चिन्हित किए गए। साथ ही, निजी अस्पतालों को भी अनुबंधित किया गया। अस्पतालों में आयसोलेशन बैड्स, ऑक्सीजन, वेंटीलेटर्स, हाइड्रोक्सीक्लोरीक्वीन सहित अन्य दवाएं, मास्क, पीपीई किट आदि सभी आवश्यक सामग्रियां तो जुटाई ही गईं, साथ ही विशेषज्ञ चिकित्सकों का समूह बनाकर कोरोना के इलाज की पुख्ता व्यवस्था की गई। दूसरी तरफ कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा घोषित लॉकडाउन को प्रदेश में प्रभावी तरीके से लागू किया गया। पहली चुनौती थी टैस्टिंग क्षमता को जल्दी से जल्दी बढ़ाया जाना, जिससे कि एक-एक मरीज की पहचान कर उन्हें आयसोलेट कर इलाज किया जा सके तथा संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

किसान की आत्महत्या

हल तो किसान के पास हमेशा रहता है लेकिन उसकी समस्याओं का हल नहीं निकलता है। आज विद्या का परीक्षा परिणाम आने वाला था उसके चेहरे की चमक पहले से ही उसका परिणाम बता चुकी थी वह उछल कूद करती हुई विद्यालय पहुंची। हमेशा की तरह इस बार भी विद्या पूरी कक्षा में

प्रथम स्थान पर रही। वह खुशी के साथ घर पहुंची लेकिन एक पल में उसकी सारी खुशी समाप्त हो गई उसने देखा कि घर पर बहुत सारे लोग इकट्ठा हुए हैं और रोने की जोर जोर से आवाज आ रही है पता चला कि उसके पिताजी ने आत्महत्या कर ली। रोती बिलखती विद्या पिताजी से लिपट कर बेहोश हो गई, दो दिन अस्पताल में रहने के बाद विद्या को घर ले जाया गया उसने देखा कि घर पर माँ के अलावा अन्य कोई भी नहीं है पिता की याद में विलाप करती हुई विद्या ने मां से पूछा, कि पिताजी जी ने ऐसा क्यों किया। मां कुछ नहीं बोली पर दूसरे दिन विद्या ने दो-तीन बार फिर पूछा तो उसकी मां ने कहा कि ÷यहां सब को भ्रष्टाचार व काले धन की चिंता है लेकिन कोई भी किसान के फसल की चिंता नहीं करता है। पूरी फसल को टिड्डी ने नष्ट कर दिया था और सरकारी कर्मचारियों ने उनके अनपढ़ होने का फायदा उठाया उन्होंने गत वर्ष पांच हजार का सरकारी लोन लिया था लेकिन उन लोगों ने उनसे अंगूठा लगाकर दस हजार ले लिए और उसमें से हमको केवल पांच हजार दिए। अभी कुछ दिन पहले वो वापस लोन लेने गए तो उनसे कहा गया कि पहले दस हजार भरो फिर लोन मिलेगा

उन्होंने इसका विरोध किया तो कागज उनके मुंह पर फेंक दिए गए सरकारी अधिकारियों के द्वारा।

फिर गांव वालों से बात की लेकिन किसी ने किसी प्रकार की कोई सहायता नहीं की।

अंत में उनके पास कोई विकल्प नहीं था। शायद इसी कारण उन्होंने आत्महत्या जैसा क़दम उठाया।÷

विद्या सब कुछ समझ गई थी।

अब माँ और बेटी की किस्मत टूटी हुई माला की तरह बिखर गई।

कवि दशरथ प्रजापत
पथमेड़ा, जालोर(राजस्थान)

दुर्वासा ऋषि का क्रोध बना था समुद्र मंथन का कारण

अभी पृथ्वी का विकास और निर्माण पूरा नहीं हुआ था। उसको रहने लायक और मानव योग्य बनाने का उपक्रम चल रहा था। इसलिए अभी देवता, अपने दायाद बंधु, असुरों के साथ ही धरती पर रहते थे। परन्तु यह काम उनके अकेले के वश का नहीं था। इस विशाल, महान, श्रमसाध्य कार्य के लिए कई दैवीय शक्तियों और उपकरणों की आवश्यकता थी। दैवीय उपकरण सागर मंथन से ही उपलब्ध हो सकते थे और इसके लिए यह जरुरी था कि दैत्य-दानव जैसी आसुरी शक्तियों का भी सहयोग लिया जाए। इस समस्या को सुलझाने के लिए त्रिदेवों ने एक योजना बनाई और असुरों को साथ लाने का कारण गढ़ा गया ....!

संसार में घटने वाली बड़ी घटनाओं या वाकयात के पीछे महीनों पहले निर्मित हुई परिस्थितियों या कारणों का हाथ जरूर होता है। कभी-कभी तो ये इतने मामूली होते हैं कि कोई सोच भी नहीं सकता कि इनके कारण भविष्य में सारे जगत को प्रभावित करने वाली कोई घटना भी घट सकती है। फिर चाहे दुर्वासा का क्रोध हो जो देवासुर संग्राम का जरिया बन गया ! चाहे मंथरा की जिद जिसने राम-रावण युद्ध की भूमिका रच डाली ! द्रौपदी की एक हंसी ने सारे आर्यावर्त को रुदन के सागर में डुबो दिया ! आर्चड्यूक फ़र्डिनेंड की हत्या प्रथम विश्वयुद्ध का कारण बन गई या फिर विश्व की 1929-30 की आर्थिक मंदी ने द्वितीय महायुद्ध का आह्वान कर डाला हो ! कौन सोच सकता था कि ऐसी बातों से भी सारा संसार आपस में एक-दूसरे के खून का प्यासा हो जाएगा ! पौराणिक काल में भी एक ऐसी ही छोटी सी बात आज तक की सबसे विस्मयकारी, अद्भुत, अकल्पनीय घटना, समुद्र मंथन का कारण बन गई थी। यह उस समय की बात है जब अभी पृथ्वी का विकास और निर्माण पूरा नहीं हुआ था। सिर्फ सुमेरु पर्वत के आस-पास का इलाका ही रहने योग्य हो सका था बाकी चारों ओर सब जगह पानी ही पानी था। उसको रहने लायक और मानव योग्य बनाने का उपक्रम चल रहा था। इसलिए अभी देवता, अपने दायाद बंधु, असुरों के साथ ही धरती पर रहते थे। परन्तु यह काम उनके अकेले के वश का नहीं था। इस विशाल, महान, श्रमसाध्य कार्य के लिए कई दैवीय शक्तियों और उपकरणों की आवश्यकता थी। दैवीय उपकरण सागर मंथन से ही उपलब्ध हो सकते थे और इसके लिए यह जरुरी था कि दैत्य-दानव जैसी आसुरी शक्तियों का भी सहयोग लिया जाए। पर सुर और असुर एक दूसरे के जानी दुश्मन थे ! इस समस्या को सुलझाने के लिए त्रिदेवों ने काफी सोच विचार कर एक योजना बनाई और असुरों को साथ लाने का कारण गढ़ा गया। एक बार दुर्वासा ऋषि को, विश्राम के दौरान, उनके आश्रम में कुछ विद्याधरों ने दिव्य संतानक पुष्पों की माला अर्पित की। माला की सुगंध दूर-दूर तक फैल रही थी। उसी समय उधर से गुजरते हुए, अपने हाथी पर आरूढ़ इंद्र ने ऋषि को प्रणाम किया। दुर्वासा ने खुश हो कर वह माला इंद्र को दे दी। पर इंद्र ने उपेक्षा पूर्वक उसे हाथी के गले में डाल दिया। पुष्पों की तेज गंध से गजराज ने परेशान माला को तोड़ अपने पैरों से कुचल डाला।

अपने उपहार का तिरस्कार होता देख दुर्वासा अत्यंत क्रोधित हो उठे और उन्होंने इंद्र को श्राप देते हुए कहा कि, %%हे इंद्र ! जिस वैभव का तुम्हें इतना अभिमान है वह ख़त्म हो जाएगा और उसके साथ ही तुम भी श्री हीन हो जाओगे !%% इंद्र की किसी भी अनुनय-विनय का ऋषि पर कोई असर नहीं हुआ। श्राप के कारण इंद्र निस्तेज हो गया ! उसके साथ ही अमरावती और देवों की शक्तियों का भी ह्रास हो गया। इस बात की खबर मिलते ही असुरों ने अपने शक्तिशाली राजा बलि के नेतृत्व में स्वर्ग लोक पर आक्रमण कर उसे वहां से निष्काषित कर दिया। इंद्र सहित सारे देवता विष्णु जी के पास गए और उनसे अपनी विपदा कही। तब विष्णु ने उन्हें दानवों की मदद से समुद्र मंथन करने की सलाह दी। दानवों को मनाने के लिए उन्हें अमृत का लालच देने की सलाह भी दी। अमरत्व की लालसा में असुर राजी हो गए। क्षीरसागर, जो आज हिंद महासागर कहलाता है, को मंथन के लिए चुना गया ! मदरांचल पर्वत को, जो आज के बिहार के बांका जिले में स्थित है, मथानी का रूप तो दे दिया गया पर अथाह सागर में उसको टिकाना सबसे बड़ी समस्या बन गई ! तब फिर विष्णु जी ने देवताओं की सहायता के खातिर कच्छप का रूप ले सागर के बीचोबीच अपने को स्थिर कर मदरांचल को अपनी पीठ पर टिका लिया। नेती के रूप में वासुकि नाग की सहायता ली गई। उसके घोर कष्ट को देखते हुए उसे गहन निद्रा का वरदान दिया गया। फिर भी विष्णु जानते थे कि मंथन के दौरान रगड़ से वासुकि को अपार कष्ट होगा जिससे उसकी जहरीली फुफकार निकलेगी उससे देवताओं की रक्षा जरुरी होगी। इसलिए उन्होंने इंद्र से कहा कि मंथन के पहले तुम सब आगे बढ़ कर वासुकि के मुंह को थाम लेना और असुरों से कहना कि हम तुमसे श्रेष्ठ हैं, इसलिए हम मुंह की ओर रहेंगे। इंद्र ने जब ऐसा किया तो असुर भड़क गए और बोले, अरे इंद्र ! तुझे अभी भी लाज नहीं आती जो हमसे हारने के बाद भी अपने आप को श्रेष्ठ समझता है ! तुम सब अधम हो और अधम ही रहोगे। इसलिए पूंछ वाला हिस्सा ही तुम्हारा उचित स्थान है। देवता तो चाहते ही यही थे, वे बिना ना-नुकुर किए दूसरी तरफ चले गए। जैसा कि विष्णु जी ने सोचा था वैसा ही हुआ कुछ ही देर में वासुकि की फुफकार से असुरों पर कहर टूट पड़ा। फिर जैसे-तैसे मंथन पूरा हुआ। देवताओं की कुटिलता से असुर फिर मात खा गए ! फिर जो कुछ भी हुआ वह जग तो जाहिर है ही। यह अपने समय का एक अकल्पनीय उपक्रम था ! कोई सोच सकता था भला कि दुर्वासा के एक श्राप से सारे जगत में कैसी उथल-पुथल मच जाएगी। शिव को विष पान करना पड़ जाएगा ! देवता अमर हो जाएंगे ! सूर्य-चंद्र ग्रहण होने लगेंगे ! राक्षसी महिषि का वध संभव हो पाएगा ! इत्यादी...इत्यादी... !

प्रफुल्ल सिंह बेचैन कलम
लखनऊ, उत्तर प्रदेश

मैं कौन हूँ?

मैं कौन हूँ
मैं पूछें मेरे शरीर के साथ नहीं हूँ
मैं इस सवाल के बारे में पूछ रहा हूँ
माई फादर एंड मदर कम्स विद फाइट

मैं कौन हूँ
आई एम डोंट नॉट पूछो विद माय माइंड
मैं इस सवाल के बारे में पूछ रहा हूँ
शैतान के साथ भगवान लड़ाई के साथ आता है

मैं कौन हूँ
मैं अपने साथ नहीं पूछता
मैं इस सवाल के बारे में पूछ रहा हूँ
मेरा शरीर और आत्मा और
हर मिनट लड़ाई के साथ आता है

मैं कौन हूँ?
मेरे लिए सवाल है
यह कैसा है?

मैं ही मैं हूं
यह मेरा सरल उत्तर है
मेरे बारे में अब

ओटेरी सेल्वकुमार

कहाँ गया बचपन

गंगा जी के पावन जल सा,कहाँ गया बचपन।
ईश्वर की छवि जिसमें झलके,कहाँ गया दर्पन।
अपने और पराये का था,जिसमें भेद नहीं-
कोरे कागज जैसा निर्मल,कहाँ गया वह मन।

तितली बन फूलों सँग खेले,वह नटखट बचपन।
एक मिनट में करे दोस्ती दूजे पल अनबन।
निश्छल औ% निस्वार्थ निष्कपट,द्वेष रहित रहना-
काश! मुझे फिरसे मिल जाये,वह बीता जीवन।

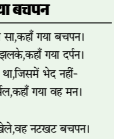

श्याम सुन्दर श्रीवास्तव कोमल
लहार,भिण्ड,म0प्र0

नई किताबें

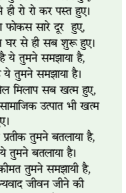

नई किताबों की %महक%,
पहले प्रेम के जैसी होती है,
सिर्फ़ एहसास तुम्हारी साँसों को
कस्तूरी कर देती है,
उसको छूना वो पल होता है,
जैसे पढ़ने की लालसा हो किसी नई कहानी को,
उसे पढ़ना,
प्रेमिका की आंखों को पढ़ने के समान होता है,
उसके शब्द तुम्हें ऐसे बांधते हैं,
जैसे प्रेमिका का प्रेमी से पहली बार कहना,
कि सुनो मैं तुम्हें प्यार करती हूँ....
हर मोड़ पर कहानी अलग सी लगती है,
जैसे पहली बार हुआ हो....
वो प्रेमी-प्रेमिका का स्पर्श,
%बीबा% का उसकी बाहों में आना,
प्रेमी की बातें सुनकर मौन रह जाना,
या कहानी में किसी किरदार पर उलझ जाना,
ठीक उसी प्रकार, जैसे पहली बार उलझी हो,
प्रेमी के शर्ट के बटन में प्रेमिका की जुल्फें,
उससे आलिंगन के बाद....
किताब में लिखी कुछ बातें होती है,
प्रेमिका की आंखों का काजल,
काजल जो कभी मुस्कुराए तो, जगमगा उठे चमन,
काजल जो भावुक हो, तो स्याह हो जाए हर सुबह,
जितनी स्याह होती है वो अमावस की रात....
क़िताब में बताई गयी जगह होती हैं,
जोड़ों का ताज महल,
ताज महल जो किसी मुमताज़ की स्मृति में नहीं,
बल्कि किसी संयोग से बना,
उनकी अनकही स्वीकृति से बना,
उन किताबों में %बुकमार्क% होते हैं,
वो सूखे फ़ूल, जिनकी ख़ुशबू को,
संजोने की नाकाम कोशिश जारी रहती है.....
.
नई किताबें सालों बाद, गंगा जल हो जाती होंगी,
जिन्हें तीर्थों से भर के कट्टी में,
और कट्टी से संजोके,
दूसरे तीर्थों पर सिराया जाता होगा....
.
ख़ैर इसे पढ़ते काफ़ी समय हो चुका,
इसकी शुरुआत कितनी अच्छी थी,
वो जगह, वो शब्द, वो उलझनें,
वो हर पन्नों से मुड़ते रास्ते, बदलते किरदार,
हर्फ़ दर हर्फ़ साँसों में घुलते जा रहे थे,
जैसे हवाओं में घुलती हो, गीली मिट्टी की ख़ुशबू,
आख़री कुछ पन्ने बचे हुए है,
समझ नहीं आता पढ़ूं या छोड़ दूँ,
क्या काहानी अच्छी होगी आगे,
या सफ़र अच्छा था....समझ नहीं आता,
.
पर कल जब इस किताब को,
सिरहाने रख के लेटा,
तो महसूस किया,
उस क़िताब की %महक% अब चली गयी है.....!!!

शिवम नाहर
ग्वालियर मप्र

रंगभेद

रंगभेद यानी श्वेत अश्वेत (गोरे काले) की लड़ाई न जाने कितने सालों से चली आ रही। इस ज्वलंत मुद्दे को उठा कर उस पर कार्य करने की नेल्सन मंडेला की बेहद ही अहम भूमिका रही है। पर सदियों से चला आ रहा रंगभेद का मुद्दा कभी थमा ही नहीं। जब बैरक ओबामा ने अमेरिका की सत्ता संभाली थी तब भी दबे ही सही अनेक स्वर मुखर होते रहे क्योंकि बावजूद इसके की वह एक बेहद ही कुशल प्रधानमंत्री साबित हुए अमेरिका को ये रास कैसे आता क्योंकि वह अश्वेत थे। अगले चुनाव में नया चेहरा उभर कर आ गया श्वेत डोनाल्ड ट्रम्प के रूप में। और एक बार फिर सत्ता श्वेत राजनेता के हाथ में थी जिस पर सदियों से सिर्फ श्वेतों का ही वर्चस्व रहा है सिर्फ एक बैरक ओबामा ही पहले ऐसे राजनेता बने जो अश्वेत थे। राजनीति गलियारों से आगे निकलें तो निजी तौर भी रंगभेद की लड़ाई कभी थमी ही नहीं। अब कुछ दिनों पहली की घटना याद करें जब एक अश्वेत को श्वेत पुलिस कर्मी ने अपने दोनों पैरों के बीच उसकी गर्दन को दबा उसकी जान ले ली। वह गिड़गिड़ाता रहा मेरा दम खुट रहा है पर पुलिसकर्मि का ज़रा भी दया नहीं आई और जब तक वो मर नहीं गया उसे छोड़ा नहीं। इस घटना के बाद एक रोष की लहर पूरे अमेरिका सहित अनेक देशों में आग की तरह फैल गयी - खूब तोड़फोड़, प्रदर्शन भी हुए कई दिनों तक लेकिन अब फिर सब शांत। आखिर श्वेत अश्वेत(गोरे और काले रंग) में ऐसा है क्या जो दो लोगों को इतना अलग बनाती है। हाल ही में कैनेडा में रह रही हमारी भतीजी मेघन नागपाल ने शादी डॉट कॉम पर फॉर्म में स्किन टोन का कॉलम देखा था उसे बेहद ही अचम्भा हुआ। शादी के लिए भी ये ज़रूरी है की लड़की गौरी है या काली। इस बात को सामने रखते हुए उसने अपनी सहेली के साथ एक मुहिम भी चलाई है की क्या शादी डॉट कॉम में इस स्किन टोन यानी आपका रंग क्या है इसकी सच में आवश्यकता है, जिसका ज़ोरदार समर्थन मिल रहा है। विदेशों से निकल कर अपने देश की बात करें तो क्या यहां भी हम चाहे फ़िल्म इंडस्ट्री हो, मॉडलिंग, फैशन शो, विज्ञापन,मिडिया आदि में नहीं देखते की गोरे रंग को ज्यादा प्राथमिकता दी जाती है और सांवले या काले रंग को कम। यही बात विवाह की बात के विज्ञापनों में भी देखी जा सकती है जिस में अक्सर रंग के बारे में बोल्ड अक्षरों में लिखा होता है जो माता पिता की नींद उड़ा देती है की आखिर उनकी बेटी का रिश्ता कैसे तय होगा जिस का रंग गोरा नहीं। देश हो या विदेश हमारा समाज क्यों रंगभेद को इतना बढ़ावा देता है की उसने नज़रिए को ही दो रंगों में बांट दिया है एक गोरा एक काला। इसका लाभ अनेको कंपनियाँ मार्किट में नए नए फेयरनेस क्रीम, साबुन व अन्य पदार्थ बाज़ार में लाकर इसका भरपूर लाभ उठा रही हैं। जिनका प्रचार प्रसार भी बड़े बड़े कलाकार करते हैं। पहले तो सिर्फ महिलाओं को लुभाने और अपनी और आकर्षित करने के लिए बाज़ार में ऐसे अनेकों प्रसाधन लाये गये पर अब तो पुरुषों के लिए भी ऐसे उत्पादनों की लंबी लाइन लग गयी है।क्या ये सब सही है?क्या ये सब उचित है?क्या कोई भी क्रीम, साबुन या अन्य पदार्थ आपका रंग बदल सकती है। इसका जवाब यही होगा 卐जी बिल्कुल भी नहीं卐। कोई भी प्रोडक्ट या ब्यूटी ट्रीटमेंट आपके कुदरती रंग को नहीं बदल सकते। ज़रूरत है अगर किसी चीज़ की तो वो है अपने नज़रिए और सोच को बदलने की तभी रंगभेद का कीड़ा देश और समाज के दिलो दिमाग से निकल पायेगा। वरना ये जंग ये मसला श्वेत अश्वेत (गोरे-काले) का कभी भी खत्म नहीं होगा। इंसान को इंसान की नज़र से देखिए, उसकी काबलियत, उसके गुणों, उसके संस्कारों, उसके स्वभाव से न की रंगभेद के आधार पर तभी बदलाव की सहर आ पाएगी समाज, देश विदेश में।।

मीनाक्षी सुकुमारन
नोएडा

संस्कार

एक बार एक व्यक्ति ने महात्मा बुद्ध को अपने घर आकर, भोजन करने का निमंत्रण दिया जब बुद्ध वहां पंहुचे तो उन्होंने पाया कि उस व्यक्ति ने उन्हें अन्य किसी मकसद से वहां बुलाया था वो व्यक्ति उनकी निंदा करने लगा और उन्हें अपशब्द कहने लगा ! बुद्ध उस व्यक्ति के शब्दों के वार से शांत रहे अंत में बुद्ध ने कहा ,उस व्यक्ति से कहा ,क्या आपके घर मेहमान आते रहते है ? व्यक्ति ने उत्तर दिया हां आते है बुद्ध ने पूछा जब मेहमान आते है तो उनके लिए क्या भोजन बनाते है ? उस व्यक्ति ने उत्तर दिया हम एक बड़े भोज की तैयारी करते है बुद्ध ने पूछा अगर वे नहीं आते तो आप क्या करते है ? तो वह व्यक्ति बोला हम भोजन स्वयं कर लेते है बुद्ध बोले अच्छा तुमने मुझे भोजन पर बुलाया पर तुमने मेरा स्वागत कठोर वचनों और आलोचनाओं से किया लगता है कि जो भोज तुम मुझे परोसने वाले थे वह इसी का है मैं तुम्हारे द्वारा परोसे भोजन को नहीं खाना चाहता कृपया इसे वापिस ले लो और स्वंय खाओ बुद्ध ने महसूस किया कि जो भोज उन्हें दिया गया था वह खाद्य पदार्थों का नहीं ,बल्कि गालियों का था उन्होंने वापिस मुड़कर वापिस उस व्यक्ति का तिरस्कार करने और उसे अपशब्द कहने की बजाय उसके भोज को स्वीकार नहीं किया बल्कि वे उस स्थान से चले गये इस प्रकार,तिरस्कार उसी व्यक्ति के साथ रहा जो उसे प्रकट कर रहा था महात्मा बुद्ध के शिष्य यह देख रहे थे बुद्ध ने उन्हें सलाह दी,कभी उस रूप में बदला न लो जिस रूप मैं सलूक आपके साथ हुआ हो !घ्रणा कभी घ्रणा से खत्म नहीं होती कई बार हमारा सामना ऐसे लोगों से होता है जो हमें बुरा भला कहते है उनके स्तर पर उतरने की जगह हमें उनके उपहारों को स्वीकार नहीं करना चाहिए तब उनका क्रोध उनके साथ ही रहेगा जब हम घटना स्थल से हट जायेंगे तो वे अपने आपको ,अपने क्रोध के साथ अकेला पायेंगे वे चकित होंगे कि उनके क्रोध के बावजूद हम प्रेममय बने रहे वे हमें आदर देने के लिए हमारे पास आ सकते है जैसे दिन गुजरे और हमारा सामना ऐसे लोगों से हो जो हमारे प्रति क्रोध और आलोचना से भरे हों तो हम उनके वचनों को शांति से सुनें हमें यह देखना चाहिए कि उनके वचनों में क्या कोई सच्चाई है अगर ऐसा है तो हम उनके वचनों से कुछ सीखें और अपने आपको सुधारे अगर उनके वचनों मैं कुछ भी सत्य नहीं है तब हम उनके क्रोध के उपहार को स्वीकार न करें हमें क्रोध के उपहार को उनके पास छोड़ देना चाहिए और अपने शांत ,खुशहाल रास्ते पर चल देना चाहिए यही जीवन जीने का सच्चा नियम है जिससे हम खुशी खुशी एक अच्छे इंसान की भांति लोगों में प्यार एवं खुशियां बांटे यही हमारे परिवार के संस्कार दर्शाते है कि हम अपने आस पास रहने वाले लोगों से कैसा व्यवहार करते है हमारा व्यवहार और संस्कार ही हमें म्रत्यु के बाद भी लोगों के दिलों में जिंदा रखेंगे।।

आकाश बरूआ
ग्वालियर मप्र

बहिष्कार

ऐप एक्शन झाकी है.........
सारा बिज़नेस अभी बाकी है
चीनी टिक- टोक ऐप हटाना है
भारतीय मैत्री ऐप लाना है
लोकल के लिए देश को वोकल बनाना है
चीन की सेंधमारी की दूकान पर ताला लगाना है
भारत को चीनी सामानों से बचाना है
59 ऐप पर पाबंदी..........
चीन की आर्थिक नाकाबंदी
बॉर्डर पर वॉर............
करो चीनी सामानों का बहिष्कार
स्वदेशी ही भारत की आत्मा है
वही चीनी सामानों का खात्मा है।।

राज कुमार साव
पश्चिम बंगाल

कोरोना के आतंक का कहर

आज के समय में कोरोना ने ऐसा कहर ढाया है
चारों तरफ भयावाह गज़ब का संकट छाया है
लोगों का जीना और मरना दोनों ही मुहाल कर दिया है
लॉकडाउन में कोरोना काल में जीवन गुजर बसर करने वाले ऐसे न जाने कितने फुटपाथी है,
न जाने कितने फेरीवाले है,
न जाने कितने टैक्सी ड्राइवर है,
न जाने कितने नौकर- चाकर है,
न जाने कितने पान की दुकान वाले है,
न जाने कितने मंदिरों के सामने फूल बेचने वाले है,
न जाने कितने साइकिल में हवा भरने वाले है,
न जाने कितने पहरेदार है, और
न जाने कितने मिठाई के दूकान वाले है,
जिसकी जिदंगी थम सी गई है।
टूट सी गई। रूस सी गई है।।

राज कुमार साव
बादशाही रोड माठ पारा बर्धमान

चीनी उत्पादों का बहिष्कार*

चाइनीज चीजों को छोड़ो,दुष्ट चीन से क्यों डरना है।
संरक्षण अब उसे नहीं है, ये ऐलान हमें करना है ।
कूट चाल चल सहयोगी सँग, भेदी बनकर बोता काटें
कोरोना का संकट देकर,सकल विश्व को गरल है बांटे ।
दगाबाज को सबक सिखाएं,अब अन्याय विरुद्ध लड़ना है ।
संरक्षण अब उसे नहीं है, ये ऐलान हमें करना है ।।
यह फरमान अभी जारी हो,चीनी हमसे टकराये तो ।
आंख फोड़ दें पल में अरि की,आँख दिखाकर गुर्राए तो ।
नष्ट समूल तुम्हें कर देंगे,उतरो रण में यदि मरना है ।
संरक्षण अब उसे नहीं है, ये ऐलान हमें करना है ।।
हिंदुस्तानी में दम कितना,यह दुश्मन को समझाना है।
नई क्रांति लाकर भारत में,तुमको रस्ते पर लाना है ।
अलग-थलग तुम रहो विश्व से ,ऐसा मन्त्र हमें पढ़ना हैं।
संरक्षण अब उसे नहीं है, ये ऐलान हमें करना है ।।
मुहिम चलेगी यह भारत मे,अब सब ÷मेक इन इंडिया÷होगा ।
क्रोध हर इक भारतवासी का ,चीन तुम्हें ही सहना होगा ।
चीन में बने उत्पादों का,हां!परित्याग हमें करना है ।
संरक्षण अब उसे नहीं है, ये ऐलान हमें करना है ।।

रीना गोयल
(सरस्वतीनगर) हरियाणा

धन्यवाद कोरोना

ओ कोरोना तुम तो जीवन मे तूफान की तरह आये हो,
जहा भी देखो इधर उधर तुम ही तुम छाये हो।
शादी विवाह तो छोडो मृत्युभोज भी बंद हुआ,
ट्रेन बसे तो छोड़ो प्लेन तक बंद हुआ।
मनोरंजन के सारे साधन चुटकियो मे ध्वस्त हुए,
दिल के अरमान दिल मे ही रो रो कर पस्त हुए।
दुनियादारी का दिखावा फोकस सारे दूर हुए,
सादा जीवन सादा भोजन घर से ही सब शुरू हुए।
मन्दिर मस्जिद घर मे है ये तुमने समझाया है,
मन मन्दिर मे ईश्वर है ये तुमने समझाया है।
बेफिजूल के खर्चे सारे मेल मिलाप सब खत्म हुए,
सामाजिक दूरी के चलते सामाजिक उत्पात भी खत्म हुए।
डर और खौफ का प्रबल प्रतीक तुमने बतलाया है,
जिंदगी है अनमोल ये तुमने बतलाया है।
घर परिवार अपनो की कीमत तुमने समझायी है,
ओ कोरोना तुम्हारा धन्यवाद जीवन जीने की अद्वितीय कला तुमने सिखाई है।

प्रियंका पवन खंताल
(बावली) झांसी उप्र

पानी और एक्सरसाइज से स्किन को रखे फ्रेश

धूप में निकलने से कम से कम 20 मिनट पहले त्वचा पर सन्सक्रीन या लोशन या जेल जरूर लगाना चाहिए।अपनी त्वचा को नुकसान से बचाने और तरोताजा रखने व्हे लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना, नियमित व्यायाम और त्वचा की नियमित देखभाल जरूरी है। गर्मियों में ?से रखें अपनी स्किन को फ्रेश-

खूब पानी पीएं

गर्मियों में खूब पानी पीना चाहिए इससे त्वचा ताजा और जवां रहती है। पानी की कमी से त्वचा रूखी और बेजान हो जाती है।

सोडा का सेवन न करें

गर्मियों में सोडा, डब्बाबंद जूस और सोडा मिश्रित शीतल पेय पदार्थों के सेवन से परहेज करें। इनके स्थान पर नारियल पानी, छाछ, आम पन्ना और ठंडी ग्रीन टी पिएं।

सनस्क्रीन जरूर लगाएं

त्वचा के अनुरूप सन्सक्रीन ढूंढ पाना भले ही मुश्किल काम है, लेकिन इसके फायदे हैं। भारतीय त्वचा के लिए 20-30 पीएफ का सन्सक्रीन उपयुक्त रहता है। तैलीय त्वचा वालों के लिए जेल युक्त सन्सक्रीन भी उपलब्ध है। धूप में निकलने से कम से कम 20 मिनट पहले त्वचा पर सन्सक्रीन या लोशन या जेल जरूर लगाना चाहिए।

नियमित एक्सरसाइज करें

एक्सरसाइज करने से शरीर में रक्त संचार ठीक बना रहता है और शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन मिलता है, जिससे त्वचा भी स्वस्थ रहती है। नियमित व्यायाम से त्वचा में जरूरी हार्मोन का संचार होता है और यह त्वचा को नुकसान से बचाता है।

त्वचा को क्लीन, टोन और मॉश्चराइज करें

गुलाब जल, बेसन और दही जैसी प्राकृति और घरेलू चीजों की मदद से भी आप त्वचा को साफ कर सकती हैं। इसके बाद त्वचा को टोन जरूर करें, इससे रोम छिद्र बंद हो जाते हैं और त्वचा को ठंडक पहुंचती है। यदि मॉश्चराइजर लगाने से आपकी त्वचा तैलीय हो जाती है, तो गर्मियों में आप पानीयुक्त मॉश्चराइजर का इस्तेमाल कर सकती हैं।

पिंपल्स दूर करता है पुदीना, जानिए कुछ और फायदे

पेट संबंधी किसी भी प्रकार का विकार होने पर एक चम्मच पुदीने के रस को एक कप पानी में मिलाकर पिएंपुदीने में मौजूद फाइबर कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करता है और मैगनीशियम हड्डियों को ताकत देता है। यह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ कई तरह से फायदेमंद होता है। आइए जानते हैं पुदीने के फायदों के बारे में-

पेट संबंधी बीमारियां =पुदीने की पत्तियों का ताजा रस नींबू और शहद के साथ समान मात्रा में लेने से पेट की सभी बीमारियों में आराम मिलता है। पेट संबंधी किसी भी प्रकार का विकार होने पर एक चम्मच पुदीने के रस को एक कप पानी में मिलाकर पिएं।

खांसी-जुकाम = इसका रस काली मिर्च व काले नमक के साथ चाय की तरह उबालकर पीने से जुकाम, खांसी व बुखार में राहत मिलती है।

हिचकी = पत्तियां चबाने या उनका रस निचोड़कर पीने से हिचकियां बंद हो जाती हैं।

पिंपल्स = पुदीने के रस को नमक के पानी के साथ मिलाकर कुल्ला करने से गले का भारीपन दूर होता है और आवाज साफ होती है। इसके रस को चेहरे पर लगाने से कील और मुंहासे दूर होता है।

पीरियड प्रोब्लम = माहवारी समय पर न आने पर पुदीने की सूखी पत्तियों के चूर्ण को शहद के साथ समान मात्रा में मिलाकर दिन में दो-तीन बार नियमित रूप से लें।

उल्टी = अधिक गर्मी में जी मिचलाए या उल्टी आए तो एक चम्मच सूखे पुदीने की पत्तियों का चूर्ण और आधी छोटी इलायची के चूर्ण को एक गिलास पानी में उबालकर पीने से लाभ होता है।

मुंह की दुर्गंध = पुदीने की पत्तियों को सुखाकर बनाए गए पाउडर को मंजन की तरह प्रयोग करने से मुंह की दुर्गंध दूर होती है और मसूड़े मजबूत होते हैं।

सिरदर्द = सिरदर्द में पत्तियों का लेप माथे पर लगाने से आराम मिलता है।

वॉक से तनाव होता है दूर, जानिए और फायदे

दुनियाभर के हैल्थ एक्सपर्ट मॉर्निंग और ईवनिंग वॉक की आदत डालने पर जोर देते रहे हैं। हाल ही एक अध्ययन से फिर पता चला है कि वॉक का फायदा न सिर्फ तन बल्कि मन को भी मिलता है।

दिल = हफ्ते में आधे से एक घंटा टहलने से दिल के रोगों का खतरा काफी कम हो जाता है।

तनाव= रोजाना 30 मिनट की वॉक से डिप्रेशन के लक्षणों में 36 फीसदी तक कमी आती है।

ब्रेन= हफ्ते में दो घंटे टहलने से स्ट्रोक का खतरा 30 फीसदी तक घटता है।

स्मरण शक्ति= हफ्ते में तीन बार 40 मिनट की वॉक करने से सोचने, प्लानिंग करने व याददाश्त वाला हिस्सा मजबूत बनता है।

हड्डियां= हफ्ते में चार घंटे टहलने से हिप बोन के फैक्चर होने का खतरा 43 फीसदी तक कम हो सकता है।

वजन= हर रोज एक घंटा टहलने से मोटापे की आशंका 50 फीसदी तक घट सकती है।

डायबिटीज= रोजाना की वॉक इस रोग में उपयोगी होती है और इससे मधुमेह के खतरे को 26 फीसदी घटाया जा सकता है।

चिकनगुनिया का घंटे भर में पता लगाएगा यह उपकरण

अमेरिका द्वारा विकसित एक नए उपकरण की मदद से स्वास्थ्यकर्मी अब किसी मरीज में चिकनगुनिया संक्रमण का घंटे भर के अंदर पता लगा सकेंगे। अब तक चिक नगुनिया की जांच का परिणाम आने में कई दिन या सप्ताह भर लग जाता है, लेकिन अब इस नए उपकरण की मदद से तुरंत चिकनगुनिया के संक्रमण का पता लगाया जा सकेगा।

चिकनगुनिया संक्रमित मादा एडीज मच्छर के

काटने से होता है तथा संक्रमित व्यक्ति को बुखार, दर्द और मांसपेशियों तथा जोड़ों में सूजन की समस्या होती है। इसके अलावा सिर में दर्द और खराश की शिकायत भी हो सकती है। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार अगर चिकनगुनिया की महामारी फैलती है तो स्वास्थ्यकर्मियों के लिए यह उपकरण तेजी से रोग का पता लगाने में बेहद मददगार साबित होगा, जिसके लिए किसी विशेष उपकरण, विशेषज्ञ या प्रशिक्षण की जरूरत नहीं है।

अमेरिका के सैन्य चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा चिकनगुनिया पर इस उपकरण का परीक्षण किया है। यह गर्भ का पता लगाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण जैसा ही है, जिसे रसायन के लेप के साथ उपयोग किया जाता है। चिकनगुनिया की जांच के लिए इस समय प्रयोगशाला में काफी भारी भरकम मशीनों का इस्तेमाल किया जाता है तथा इसके उपयोग के लिए काफी प्रशिक्षण की भी जरूरत होती है। अमेरिका के ÷वेक्टर टेस्ट सिस्टम्स इंक द्वारा विकसित इस उपकरण को कोई भी नौसिखिया कहीं भी ले जाकर इस्तेमाल कर सकता है। इस उपकरण की सबसे बड़ी विशेषता है कि इसे इस्तेमाल करने के लिए बिजली की जरूरत नहीं होती।

दवा लेते समय इन बातों का रखे खयाल

किसी दवा को लेने पर पेट खराब हो जाए, स्किन रैशेज या सूजन आए तो फौरन विशेषज्ञ से संपर्क कर उन्हें बताएंदवा लेने के कुछ खास तरीके होते हैं यदि इनका ध्यान रखा जाए तो कई दिक्कतों से बचा जा सकता है-

1. आपके नियमित डॉक्टर आपकी फैमिली हिस्ट्री व मेडिकल कंडीशन से काफी हद तक वाकिफ होते हैं लेकिन अगर आप किसी नए डॉक्टर के पास जा रहे हैं तो उन्हें मेडिक ल हिस्ट्री व फिलहाल जो दवाएं ले रहे हैं उनकी जानकारी अवश्य दें। किसी मेडिसिन से एलर्जी है तो इसे भी विशेषज्ञ को अवश्य बताएं। 2. अपनी मर्जी से पुराने प्रिसक्रिप्शन के आधार पर दवाएं न लें क्योंकि कई दवाएं तात्कालिक लक्षणों एवं इलाज के हिसाब से दी जाती हैं। 3. किसी दवा को लेने पर पेट खराब हो जाए, स्किन पर रैशेज या सूजन आए तो फौरन विशेषज्ञ से संपर्क कर उन्हें बताएं। 4. दवा खाली पेट लेनी है या खाना खाकर, यह जानकारी जरूर लें। 5. मेडिसिन की एक्सपायरी डेट जरूर देख लें। तारीख सही हो लेकिन दवाई पिघली हुई, बदशक्ल या बदरंग लग रही हो तो उस दवा को न लें।

ई-लर्निंग के जरिए घर बैठे करें IIT जैसी पढ़ाई

आधुनिक विषयों की पढ़ाई के लिए अच्छे संस्थान में ही दाखिला जरुरी नहीं। एनपीटीईएल आपको घर बैठे उत्कृष्ट संस्थानों के प्रोफेसरों से पढ़ने में मदद कर सकता है। एनपीटीईएल एक ?सा मंच है, जो सुदूर इलाकों में रहने वाले स्टूडेंट्स को भी आईआईटी जैसे संस्थानों के प्रोफेसर्स से कंप्यूटर के माध्यम से पढ़ने का मौका दे रहा है। आज इसके माध्यम से बहुत से स्टूडेंट्स ग्राइमरी कंटेंट के रूप में और बहुत से स्टूडेंट्स एक एक्स्ट्रा स्टडी के रूप में इस मंच से लाभ ले रहे हैं। अच्छे कॉलेजों में प्रवेश न ले पाने वाले या सुदूर इलाकों में रहने के कारण शिक्षा के आधुनिक संसाधनों के अभाव से जूझने वाले स्टूडेंट्स को भी देश के उच्चस्तरीय संस्थाने जैसा शिक्षण उपलब्ध करवाने का एक खास प्रयास है एनपीटीईएल। फ्री ऑनलाइन कोर्सेवेयर की मदद

से यह पोर्टल इंजीनियरिंग और साइंस स्ट्रीम में शानदार ई-लर्निंग उपलब्ध करवाता है। आज इस मंच पर स्टूडेंट्स को सर्टिफिकेट कोर्सेज का भी विकल्प मिलता है। आईआईटीज और आईआईएससी की मदद से संचालित नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नोलॉजी इनहैंस्ड लर्निंग का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को वीडियोज के माध्यम से सुदूर ग्रामीण इलाकों के छात्रों तक इंटरनेट के जरिए पहुंचाना है। एनपीटीईएल के ऑनलाइन वीडियोज का इस्तेमाल आप पढ़ाई के ग्राइमरी कंटेंट के रूप में भी कर सकते हैं और अपनी पढ़ाई से इतर ज्ञान जुटाने के लिए भी। इस पोर्टल पर कई सर्टिफिकेट कोर्सेज भी उपलब्ध हैं। यानी यहां से ऑनलाइन कोर्स करके आप सर्टिफिकेट भी पा सकते हैं। ऑनलाइन कोर्सेज के लिए कोई फीस नहीं है। हालांकि सर्टिफिकेशन एग्जाम के लिए आवेदकों से एक मामूली शुल्क लिया जाता है। एनपीटीईएल के तहत इंटरनेट पर डाले गए एजुकेशनल वीडियोज से या वेब बेस्ड लर्निंग से उन स्टूडेंट्स को खासतौर पर लाभ मिलता है, जिनकी पहुंच बेहतर संस्थानों या स साधनों तक सीधे तौर पर नहीं है। इस तरह किसी सुदूर क्षेत्र में रहने के बावजूद उन्हें अच्छे शिक्षण का अवसर उपलब्ध हो जाता है। इस मंच पर उपलब्ध वीडियोज स्टूडेंट्स के साथ-साथ उन्हें पढ़ाने वाले टीचर्स के लिए भी काफी लाभदायक हैं। उन्हें अपनी पेडागॉजी और उनसे जुड़ी तकनीकों को सुधारने की सीख यहां मिलती है। बड़े संस्थानों के लेक्चर्स भी उपलब्ध करवाने वाला यह मंच इनके ज्ञान को अपटूडेट करने के लिए खासतौर पर मददगार है।

संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षण मिशन में बढ़ाई जानी चाहिए महिला कर्मियों की संख्या

संयुक्त राष्ट्र। कांगो में तैनात भारतीय महिला कमांडर ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षण मिशनों में वर्दीधारी महिला कर्मियों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने इस बात पर खास जोर दिया कि ऐसी महिलाएं हर कहीं लड़कियों एवं महिलाओं के लिए अनुकरणीय हैं। कांगो गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र संगठन स्थिरीकरण मिशन (मोनूस्को) के भारतीय महिला कार्य दल (एफईटी) की कमांडर, कैप्टन प्रीति शर्मा ने सेक टाउन से वीडियो साक्षात्कार में बताया कि संयुक्त राष्ट्र के कुल सैन्य शांतिरक्षकों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व केवल चार प्रतिशत है। उन्होंने कहा, वर्तमान में, संयुक्त राष्ट्र में महिला शांतिरक्षकों की संख्या बहुत कम है।

अगर आपको विश्व की 50 प्रतिशत आबादी को देखना है तो यह बहुत जरूरी है कि वर्दीधारक महिला

शांतिरक्षकों की संख्या बढ़ाई जाए, ताकि संयुक्त राष्ट्र मिशन महिलाओं एवं लड़कियों के सामने आने वाली चुनौतियों का प्रभावी ढंग से निपटान कर सकें। शर्मा ने कहा कोई भी पक्षी एक पंख के सहारे उड़ान नहीं भर सकता। अगर महिलाएं सशक्त नहीं होंगी और उनका उत्थान नहीं किया जाएगा तो समाज के लिए प्रगति करना संभव नहीं।

भारत से एफईटी में 22 महिला शांतिरक्षक हैं और इसकी शुरुआत पिछले साल जून में 'मोनूस्को' में तैनाती के साथ हुई थी जिसे संयुक्त राष्ट्र के तहत सबसे चुनौतीपूर्ण शांतिरक्षण मिशन माना जाता है। शर्मा ने बताया कि यह पहली बार है जब भारत से महिला कार्य दल को संयुक्त राष्ट्र मिशन में भेजा गया है। उन्होंने बताया कि एफईटी, पुलिस की इकाई नहीं बल्कि सेना के साथ संलग्न है। हम दूर-दराज इलाकों में वही काम कर हे हैं जो कोई सेना करती है। भारत संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षण मिशन में वर्दीधारक कर्मियों की संख्या के लिहाज से पांचवे नंबर पर आता है। वर्तमान में अबेयी, साइप्रस, कांगो, लेबनान, पश्चिम एशिया, सूडान, दक्षिण सूडान और पश्चिमी सहारा में शांतिरक्षण अभियानों में भारत के 5,400 सैन्य एवं पुलिसकर्मी तैनात हैं। साथ ही सोमालिया में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन में एक विशेषज्ञ भी है।

संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षण मिशनों में वर्दीधारी महिला की संख्या बढ़ने की जरुरत

संयुक्त राष्ट्र। कांगो में तैनात भारतीय महिला कमांडर ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षण मिशनों में वर्दीधारी महिला कर्मियों की संख्या बढ़ाने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि ऐसी महिलाएं हर कहीं लड़कियों एवं महिलाओं के लिए अनुकरणीय हैं। कांगो गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र संगठन स्थिरीकरण मिशन (मोनूस्को) के भारतीय महिला कार्य दल (एफईटी) की कमांडर, कैप्टन प्रीति शर्मा ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र के कुल सैन्य शांतिरक्षकों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व केवल चार प्रतिशत है। उन्होंने कहा, वर्तमान में, संयुक्त राष्ट्र में महिला शांतिरक्षकों की संख्या बहुत कम है। अगर आपको विश्व की 50 प्रतिशत आबादी को देखना है,तब यह बहुत जरूरी है कि वर्दीधारक महिला शांतिरक्षकों की संख्या को बढ़ाया जाएं। ताकि संयुक्त राष्ट्र मिशन महिलाओं एवं लड़कियों के सामने आने वाली चुनौतियों का प्रभावी ढंग से निपटान कर सकें।शर्मा ने कहा, कोई भी पक्षी एक पंख के सहारे उड़ान नहीं भर सकता। भारत से एफईटी में 22 महिला शांतिरक्षक हैं, इसकी शुरुआत पिछले साल जून में 'मोनूस्को' में तैनाती के साथ हुई थी इस संयुक्त राष्ट्र के तहत सबसे चुनौतीपूर्ण शांतिरक्षण मिशन माना जाता है। शर्मा ने बताया कि यह पहली बार है जब भारत से महिला कार्य दल को संयुक्त राष्ट्र मिशन में भेजा गया है। उन्होंने बताया कि एफईटी,पुलिस की इकाई नहीं बल्कि सेना के साथ संलग्न है। हम दूर-दराज इलाकों में वहीं काम कर रहे हैं जो कोई सेना करती है। भारत संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षण मिशन में वर्दीधारक कर्मियों की संख्या के लिहाज से पांचवे नंबर पर आता है। वर्तमान में अबेयी, साइप्रस, कांगो, लेबनान, पश्चिम एशिया, सूडान, दक्षिण सूडान और पश्चिमी सहारा में शांतिरक्षण अभियानों में भारत के 5,400 सैन्य एवं पुलिसकर्मी तैनात हैं इसके साथ ही सोमालिया में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन में एक विशेषज्ञ भी है।

कोरोना के कारण ट्रंप ने ब्राजील पर लगाया यात्रा प्रतिबंध

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित ब्राजील से अमेरिका आने के इच्छुक विदेशी नागरिकों के देश में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केयलेग मैकेननी ने एक बयान में रविवार शाम कहा कि यह प्रतिबंध विदेशी नागरिकों पर लागू होता है जो 14 दिन तक ब्राजील में रहने के बाद अमेरिका की यात्रा करना चाहते हैं। मैकेननी ने कहा कि यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से 'देश की रक्षा के लिए' उठाया गया कदम है। ट्रंप पहले ही ब्रिटेन, यूरोप, चीन और आयरलैंड पर यात्रा प्रतिबंध लगा चुके हैं। ये सभी कोरोना वायरस से बेहद प्रभावित देश हैं। हालांकि उन्होंने रूस पर प्रतिबंध नहीं लगाया है जो संक्रमित लोगों की संख्या के मामले में दुनिया भर में तीसरे स्थान पर है। रूस में 344,000 से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके है और 3,500 लोगों की मौत हुई है। व्हाइट हाउस ने तत्काल इस पर प्रतिक्रिया नहीं दी कि इसी तरह का यात्रा प्रतिबंध रूस पर लगाया जाएगा या नहीं। राष्ट्रपति ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह ब्राजील पर यात्रा प्रतिबंध लगाने के बारे में सोच रहे हैं। जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के अनुसार ब्राजील में कोविड-19 के3,47,000 से ज्यादा मामले हैं जो कि संक्रमितों की संख्या के मामले में अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर आता है। ब्राजील में अब तक 22,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और सबसे ज्यादा मौत के मामले में यह दुनिया के पांचवे देश में शामिल हो गया है। अमेरिका में अब तक 97,000 लोगों की मौत हो चुकी है और इस सप्ताह के अंत तक यह आंकड़ा एक लाख से पार चले जाने की आशंका है। वहीं कुल संक्रमित लोगों की संख्या 16 लाख से ज्यादा है।

ईद पर पाक ने दी धमकी, भारत को देख लेंगे

इस्लामाबाद। ईद जैसे खुशी के मौके पर भी पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने भारत के खिलाफ नफरत जाहिर करने से परहेज नहीं किया। कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तान अपने खिलाफ किए गए भारत के किसी भी दुस्साहस का माकूल जवाब देगा। बता दें कि पिछले दिनों भारत की ओर से पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर पर दावा ठोंकने के बाद से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। यहां तक कि ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन की मीटिंग में उसने भारत पर इस्लामोफोबिया का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग तक कर डाली। कुरैशी ने ईद की नमाज के बाद मुल्तान में मीडिया से बात करते हुए कहा कि पाकिस्तान शांति चाहता है और खुद को रोकने की उसकी नीति को कमजोरी नहीं समझना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, अगर भारत पाकिस्तान के खिलाफ कोई दुस्साहस करता है तो उसे माकूल जवाब दिया जाएगा।

सेन फ्रांसिस्को के पार्क में कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए सामाजिक दूरी का पालन करते हुए लोग।

चीन की प्रौद्योगिकी कंपनी ने 'व्यापार का राजनीतिकरण' करने पर अमेरिका की आलोचना की

बीजिंग। चीन की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनी क्यूह 360 ने ट्रंप प्रशासन की 'व्यापार का राजनीतिकरण' करने के लिए आलोचना की है। अमेरिका ने चीन की 33 कंपनियों और सरकारी इकाइयों पर निर्यात प्रतिबंध लगाए हैं, जिसके बाद यह बयान आया। नए प्रतिबंधों की घोषणा शुक्रवार को हुई, जिसके साथ ही अमेरिका ने चीनी कंपनियों के खिलाफ अपने अभियान को तेज कर दिया है। इन कंपनियों पर सुरक्षा कारणों या मानवाधिकार संबंधी मुद्दों के कारण प्रतिबंध लगाया गया है। प्रतिबंधों की सूची में ताजा नाम क्यूह 360 का है, जो एंटी-वायरस सॉफ्टवेयर और वेब ब्राउजर का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। इन कंपनियों को वाणिज्य विभाग की सूची में शामिल करने से अमेरिकी बाजार में इनकी पहुंच सीमित हो जाएगी क्योंकि इन्हें निर्यात के लिए सरकार की अनुमति लेनी होगी।

पाक को 60 लाख डॉलर की सहायता की घोषणा

वाशिंगटन। अमेरिका ने घोषणा की है कि वह कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से निपटने पाकिस्तान को 60 लाख डॉलर देगा। कोरोना के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका पाकिस्तान की मदद के लिए आगे आया है। पाकिस्तान में अमेरिकी राजदूत पॉल जोन्स ने वीडियो संदेश में कहा कि यह धनराशि पाकिस्तान को उन स्वास्थ्यकर्मियों को और प्रशिक्षण देने में

काम आएगी जो अस्पतालों में कोरोना वायरस संक्रमण के गंभीर हालत वाले मरीजों की देखभाल करते हैं, इससे चिकित्सा केन्द्रों में कोरोना वायरस फैलने से रुकेगा। इसके अलावा इससे संक्रमित इलाकों में रहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों की जांच के लिए मोबाइल प्रयोगशाला भी बनाई जाएगी। राजदूत ने हाल ही में पाकिस्तान से प्राप्त चिकित्सा आपूर्ति के लिए इस्लामाबाद का आभार व्यक्त किया। यह आपूर्ति दोनों देशों के बीच मित्रता और साझेदारी के प्रतीक के रूप में की गई थी।जोन्स ने पाकिस्तान को ईद-उल-फितर की शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा के रमज़ान का महीना पूरा होने पर मैं सभी पाकिस्तानियों को बधाई देना चाहता हूं।

भारत के दुस्साहस का पाकिस्तान मुंहतोड़ जवाब देगा: पाक विदेश मंत्री

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि अगर भारत उनके देश के खिलाफ कोई दुस्साहस करता है तो पाकिस्तान उसका मुंहतोड़ जवाब देगा। अपने गृहनगर मुल्तान में कुरैशी ने कहा ?कि पाकिस्तान शांति चाहता है लेकिन संयम की उसकी नीति को कमजोरी के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए। कुरैशी ने कहा कि कश्मीर में कथित मानवाधिकारों के उल्लंघन के प्रति ध्यान खींचने के लिए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव और इस्लामिक सहयोग संगठन से संपर्क किया है। मंत्री ने कहा कि उन्होंने दो विश्व संगठनों के प्रमुखों से कहा कि भारत अपने आतंरिक परिस्थितियों से ध्यान भटकाने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ छद्म अभियान चला सकता है।

तानाशाह के राज में बैन है कंडोम, चीन से होती है इसकी तस्करी

प्योंगयांग। हर देश में दवा की दुकान पर मिलने वाला कंडोम नॉर्थ कोरिया में बैन है। ये चोरी-छिपे देश में लाकर ऊंचे दामों पर ब्लैक मार्केट में बिकता है। यहां तक कि बीते कुछ सालों से ये सबसे ज्यादा दिया-लिया जाने वाला गिफ्ट आयटम बन चुका है। माना जा रहा है कि किम जोंग ने बर्थ कंट्रोल के सारे तरीकों पर देश में पाबंदी लगा रखी है, ताकि उत्तर कोरिया ज्यादा से ज्यादा आबादी वाला सोशलिस्ट देश बन सके। यही वजह है कि यहां न तो कंडोम बनता है और न ही कंडोम की बिक्री होती है। दूसरे देशों से लाने की कोशिश पर लोगों को कस्टम पर ही पकड़ लिया जाता है, तब कंडोम तो जब्त होते ही हैं, भारी जुर्माना भी लगता है। यही वजह है कि यौन रोगों से बचाव के लिए या अवांछित प्रेगनेंसी से बचाव के लिए लोग तस्करी के जरिए आने वाली सप्लाई पर निर्भर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बर्थ कंट्रोल के साधन के रूप में कंडोम यहां काफी पसंद किया जाता है, भले ही वहां ज्यादा कीमत पर तस्करी से मिल सके। नॉर्थ कोरिया में सेक्स वर्कर्स की बहुतायत भी कंडोम की जरूरत को बढ़ाती है। वे खुद ग्राहक से कहती हैं कि वे अपने साथ कंडोम लेकर आएं ताकि दोनों का ही यौन रोगों से बचाव हो सके। वैसे बर्थ कंट्रोल के तरीके ही नहीं,तानाशाह के देश में काफी सारी चीजों के लिए अजीबोगरीब नियम हैं। जैसे यहां के लोग नीली जींस नहीं पहन सकते। जींस का ये रंग यहां बैन है क्योंकि इससे किंग जोंग को अमेरिकन साम्राज्यवाद की बू आती है। अमेरिका से नॉर्थ कोरिया के खास दोस्ताना संबंध नहीं और ये देश मानता है कि किसी भी तरह से अमेरिकी सभ्यता या संस्कृति का असर यहां नहीं आना चाहिए। इसी तरह से यहां पर आप इंटरनेशनल कॉल भी नहीं कर सकते। सेल फोन सबके पास है लेकिन उससे आईएसडी कॉल नहीं लगाया जा सकता। देश के सारे ही सिम कार्ड सिर्फ देश के भीतर ही बात करने की सुविधा देते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार लगभग सारे ही देशों को नॉर्थ कोरिया संदेह की नजर से देखता है और लोगों पर नजर रखने के लिए यहां कम्युनिकेशन सिस्टम पर खासी सख्ती रखी गई है। केवल देश के कुछ खास लोगों और तानाशाह के परिवार को देश से बाहर बात करने की इजाजत है। अगर नॉर्थ कोरिया का कोई नागरिक इंटरनेशनल कॉल करने की कोशिश करता भी दिखे तब उस सख्त सजा मिलती है।

डिकॉक सहित 44 दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटरों ने अभ्यास शुरु किया

जोहानिसबर्ग। कोरोना वायरस महामारी के बाद एक बार फिर दक्षिण अफ्रीका में क्रिकेट की शुरुआत हुई है। कप्तान क्विंटन डिकॉक सहित 44 क्रिकेटरों ने खेल मंत्रालय से इजाजत मिलने के बाद मैदान पर अभ्यास शुरू किया। कोरोना वायरस महामारी के कारण यहां 15 मार्च से ही क्रिकेट गतिविधियां बंद हैं। तब दक्षिण अफ्रीकी टीम तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलने के लिए भारत दौरे पर थी, लेकिन महामारी के कारण यह सीरीज स्थगित कर दी गई थी। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के अनुसार खिलाड़ी सामाजिक दूरी सहित सभी नियमों का पालन करते हुए छोटे-छोटे समूहों में अभ्यास करेंगे और इस दौरान उनकी करीबी फ्रेंचाइजी टीम के कोच भी उनके साथ रहेंगे। अभ्यास के दौरान खिलाड़ियों को कोरोना वायरस संचालन समिति द्वारा बनाए गए दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट के मुख्य चिकित्सा अधिकारी शुएब मांजरा ने कहा,' राष्ट्रीय संक्रामक रोग संस्थान ने हमारे प्रोटोकॉल को मंजूरी दे दी है। हम खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की नियमित जांच करेंगे और सफाई का पूरा ध्यान रखा जाएगा। हर जगह एक कोविड अनुपालन मैनेजर होगा जो यह तय करेगा कि नियमों का पालन हो रहा है।' जिन खिलाड़ियों ने अभ्यास में भाग लिया वे हैं। क्विंटन डिकॉक, डील एल्गर, लुंगी नगिदी, एडेन मार्करम, जूनियर डाला, थ्रुनिस डि ब्रून, रासी वान डेर डुसेन, शॉन वोन बर्ग, ड्वेन प्रिटोरियस, हेनरिच क्लासेन, तेंबा बावुमा, रीजा हेंडरिक्स, कैगिसो रबाडा, तबरेज शम्सी, वियान मुल्डर, ब्योर्न फोर्चून, एंडिले फेलुकवायो, डेविड मिलर, सारेल एरवी, खाया जोंडो, डेरिन डुपाविलोन, केशव महाराज, सेनुरान मुथुस्वामी, कोगन पीटरसन, इमरान ताहिर, लुथो सिपामला, एडवर्ड मूरे, एनरिच नोर्जे, सिसांडा मगाला, ग्लेंटोन स्टुरमन, जोन जोन स्मट्स, रूडी सेकंड, पिटे वान बिलजोन, रेनार्ड वान टोंडेर, गेराल्ड कोटजी, पीटर मलान, जुबैर हम्जा, जानेमन मलान, फाफ डु प्लेसिस, टोनी डे जोर्जी, ब्यूरान हेंडरिक्स, नांद्रे बर्गर, जार्ज लिंडे और काइल वेरीने।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में स्टोक्स करेंगे कप्तानी

लंदन। इंग्लैंड की टेस्ट टीम के नियमित कप्तान जो रूट वेस्टइंडीज के खिलाफ आठ जुलाई से होने वाले पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। रूट इस दौरान अपने दूसरे बच्चे के जन्म को देखते हुए पत्नी के साथ ही रहेंगे। ऐसे में उनके पहले टेस्ट में खेलने की संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं क्योंकि कोरोना महामारी को देखते हुए वह सीधे टीम से नहीं जुड़ सकते। रूट की गैरमौजूदगी में स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स पहली बार टीम की कप्तानी संभालेंगे। तीन टेस्ट मैचों की इस श्रृंखला का पहला मैच साउथम्प्टन में आठ जुलाई से खेला जाएगा और रूट की पत्नी इसी तारीख के आस-पास मां बनने वाली हैं। वहीं रूट ने भी कप्तानी के लिए स्टोक्स को बेहतर बताते हुए कहा कि वह 'नैसर्गिक कप्तान' है। रूट ने कहा, '' वह अच्छी तरह जिम्मेदारी निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।''रूट का दूसरे टेस्ट में खेलना भी संदिग्ध है क्योंकि टीम से जुड़ने से पहले उन्हें सात दिनों तक टीम से अलग (पृथकवास) में अलग रहना होगा। वहीं इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के क्रिकेट निदेशक एशले जाइल्स ने कहा था कि बोर्ड से रूट सहित श्रृंखला के दौरान दूसरे खिलाड़ियों को टीम के 'जैविक वातावरण' को छोड़ने और फिर से जुड़ने की अनुमति मिलने की उम्मीद है। यह श्रृंखला पूरी तरह से 'जैविक रूप से सुरक्षित' स्थल पर खेली जाएगी।

पूर्व कप्तान संदीप सिंह हैं मनदीप के आदर्श

नई दिल्ली । भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के डिफेंडर मनदीप मोर ने कहा कि वह पूर्व कप्तान संदीप सिंह से प्रेरित होते हैं। वहीं मनदीप ने कहा कि उन्होंने खेल की बारीकियां अनुभवी ड्रैग फ्लिकर रूपिंदर पाल सिंह से सीखी हैं। मनदीप ने कहा, 'चंडीगढ़ स्टेडियम में संदीप से मिलकर मैं उत्साहित हो जाता था। वह मेरे हीरो हैं, वह जिस तरह से ड्रैग फ्लिक पर गोल करते हैं वह मुझे काफी पसंद है। वह जिम और ट्रेनिंग के लिए वहां आया करते थे। उनके यह शब्द 'ड्रैग फ्लिक पर ध्यान लगाओ, कड़ी मेहनत करो और आपको गौरव मिलेगा' मुझे अब भी प्रेरित करते हैं।' उन्होंने कहा, 'गुरजिंदर और रूपिंदर मेरी काफी मदद करते हैं और उन्होंने मुझे खेल की मूल बातें सिखाकर हमेशा अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है।' मनदीप ने कहा कि उनके कोच ने सबसे पहले कहा था कि मेरे में अच्छा ड्रैग फ्लिकर बनने की क्षमताएं हैंहै। उन्होंने कहा, 'जब मैं चंडीगढ़ अकादमी से जुड़ा तो मेरे कोच अल्पिंदर सिंह ने मुझे कहा कि मेरे अंदर अच्छा ड्रैग फ्लिकर बनने की क्षमता है और उन्होंने मेरा कौशल निखारने में भी सहायता की।' अंडर-14 और अंडर-17 राष्ट्रीय चैंपिनशिप में अच्छे प्रदर्शन के बाद मनदीप को 2014 में सोनीपत के भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में ट्रेनिंग के लिए चुना गया। इसके अगले साल ही मनदीप ने सुल्तान अजलन शाह कप में भारत की सीनियर राष्ट्रीय टीम की ओर से पदार्पण किया और वह 2018 पुरुष विश्व कप के संभावित कोर खिलाड़ियों में चुना गया। कोरोना वायरस महामारी के कारण हुए लॉकडाउन के बाद से ही खेल से दूर मनदीप को कोचिंग शिविर शुरू होने का बेसब्री से इंतजार है।

विश्व शतरंज चैंपियनशिप टली

नई दिल्ली । विश्व शतरंज की शीर्ष संस्था फिडे ने इस साल दिसंबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप को अगले साल तक स्थगित कर दिया है। विश्व चैंपियनशिप मुकाबले का आयोजन इस साल 20 दिसंबर से दुबई में होना था। ऐसे में अब नॉर्वे के मौजूदा विश्व चैंपियन कार्लसन का इंतजार एक साल और बढ़ गया है। कार्लसन को अपने खिताब का बचाव करने के लिए कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के विजेता से मुकाबला करना है। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट भी मार्च में रूस में खेला जा रहा था पर उसे भी कोरोना वायरस महामारी के कारण बीच में रोक दिया गया। फिडे के महानिदेशक इमिल सुतोवस्की ने कहा कि कैंडिडेट्स टूर्नामेंट को इस साल के अंत में आयोजित करने की योजना थी पर उसे भी टाल दिया गया है।

जीत के बाद भी मुझे कप्तानी से हटाया गया था : गावसकर

मुंबई । भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावसकर ने कहा है कि 1978-79 में घरेलू धरती पर वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने के बाद भी उन्हें कप्तानी से क्यों हटा दिया गया था अभी तक उनकी समझ में इसका कारण नहीं आया है। गावस्कर ने इस सीरीज में 700 से ज्यादा रन भी बनाए थे। इससे भारत ने छह मैचों की टेस्ट सीरीज 1-0 से जीती थी। इस सीरीज के बाद गावसकर के स्थान पर गेंदबाज एस. वेंकटराघवन को टीम का कप्तान बनाया गया था। गावसकर ने कहा, 'वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद भी मुझे कप्तानी से हटा दिया गया था जबकि इस सीरीज में मैंने 700 से ज्यादा रन बनाए थे। मुझे अभी तक इसका कारण नहीं पता। उन्होंने आगे लिखा, % लेकिन शायद मैं उस समय कैरी पैकर वर्ल्ड सीरीज क्रिकेट से जुड़ने को तैयार था। इसलिए शायद हटा दिया गया हो। चयन से पहले मैंने बीसीसीआई के साथ करार किया और बताया कि मैं किसके प्रति वफादार हूं।' गावसकर ने साथ ही कहा कि उन्होंने किस तरह बिशन सिंह बेदी को टीम में रखने के लिए चयनकर्ताओं को मनाया। गावसकर ने लिखा, 'समिति ने फैसला किया था कि तीन मैचों के बाद वह बेदी को हटा देंगे। जब मैंने पाकिस्तान सीरीज के बाद कप्तान के तौर पर उनका स्थान लिया तभी समिति उन्हें हटाना चाहती थी। मैंने कहा कि वह अभी भी देश में बाएं हाथ के सर्वश्रेष्ठ स्पिनर हैं और इसलिए उन्होंने पहले टेस्ट मैच में उन्हें मौका दिया।'

वेम्बले स्टेडियम में पहली बार दर्शकों के बिना खेला गया फुटबॉल मैच

लंदन । कोरोना वायरा महामारी के डर से पहली बार यहां के वेम्बले स्टेडियम में दर्शकों के बिना ही फुटबॉल मैच खेला गया। यहां हुए एफए कप लीग द्र के प्लेआफ फाइनल मुकाबले में नार्थम्पटन ने एक्सेटर को हराया हालांकि सामाजिक दूरी के नियम के चलते खिलाड़ियों ने पदक और ट्रॉफी स्वयं ही उठाई। तेरह साल पहले वेम्बले स्टेडियम बनने के बाद से यहां पहली बार दर्शकों के बिना मैच खेला गया है। संक्रमण के खतरे को देखते हुए आने वाले समय में भी एफए कप सेमीफाइनल और फाइनल भी खाली स्टेडियम में ही खेला जाना तय है हालांकि इससे राजस्व का भारी नुकसान भी खेल संगठनों को उठाना पड़ेगा। इसका प्रभाव भी अभी से दिखने लगा है।

पंजाब एंड सिंध बैंक का चौथी तिमाही घाटा बढ़कर 236 करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब एंड सिंध बैंक ने कहा कि उसका 2019-20 की चौथी तिमाही का शुद्ध घाटा बढ़कर 236.30 करोड़ हो गया। फंसे कर्ज के लिए प्रावधान बढ़ने की वजह से बैंक का घाटा बढ़ा है। एक साल पहले इसी समय में बैंक को 58.57 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। चौथी तिमाही (जनवरी से मार्च 2020) की अवधि में बैंक की कुल आय घटकर 2,289.43 करोड़ रुपये रह गई। एक साल पहले इसी अवधि में यह 2,304.37 करोड़ रुपये रही थी। बैंक ने नियामकीय सूचना में यह जानकारी दी है। बैंक ने 429.75 करोड़ रुपये का परिचालन मुनाफा हासिल किया जबकि एक साल पहले इसी अवधि में बैंक ने 404.13 करोड़ रुपये का परिचालन मुनाफा कमाया था। संपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर मार्च 2020 की समाप्ति पर बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) बढ़कर बैंक के कुल कर्ज का 14.18 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो कि एक साल पहले इसी अवधि में 11.83 प्रतिशत पर थीं। बैंक का शुद्ध एनपीए भी एक साल पहले के 7.22 प्रतिशत से बढ़कर 8.03 प्रतिशत पर पहुंच गया। शुद्ध परिसंपत्ति के अनुरूप बैंक द्वारा किया जाने वाला प्रावधान भी एक साल पहले के मुकाबले दोगुने से अधिक बढ़कर 683.80 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले यह प्रावधान 312.09 करोड़ रुपये रहा था। वित्तवर्ष 2019-20 पूरे साल के दौरान बैंक का घाटा दोगुने के करीब पहुंचकर 990.80 करोड़ रुपये रहा।

सिर्फ टिकटॉक बंद होने से चीन को होगा 100 करोड़ का नुकसान

मुंबई । केंद्र सरकार ने 59 चीनी ऐप्स पर बैन लगा दिया है। जानकारों का मानना है कि इससे चीनी ऐप्स को संचालित करने वाली कंपनियों और खुद चीन को भी बड़ा आर्थिक नुकसान होगा। अकेले टिकटॉक के बैन होने से ही कंपनी को 100 करोड़ रुपए की चपत लगने वाली है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत में केवल मार्च से मई 2020 के बीच 10 में से 5 सर्वाधिक डाउनलोड होने वाले मोबाइल ऐप्स चीनी कंपनियों के हैं। इनमें टिकटॉक, जूम, हैलो, यूवी रेडियो और यूसी ब्राउजर शामिल हैं। हालांकि बैन होने वाले ऐप्स में जूम को शामिल नहीं किया गया है। साइबर एक्सपर्ट और सुप्रीम कोर्ट में वकील पवन दुग्गल ने बताया कि इससे चीन को सबसे ज्यादा नुकसान होगा। सरकार को ये कदम पहले उठा लेना चाहिए था। दुग्गल के मुताबिक चीनी ऐप्स से भारतीयों का व्यक्तिगत और वित्तीय डाटा चीन की सरकार के पास सीधे पहुंच रहा था। ऐसे में इन ऐप्स के बंद हो जाने से अब चीन की सरकार के पास भारतीयों का कोई डाटा नहीं पहुंचेगा। वहीं इन सभी कंपनियों के सर्वर भी चीन में मौजूद हैं। ऐसे में इस वक्त इन ऐप्स से लोगों की निजी जानकारी और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत ज्यादा खतरा हो गया था।

"सायकल चलाना है, कोरोना को हराना है" कोरोना निगरानी समिति द्वारा जागरूकता सायकल रैली का आयोजन

ग्वालियर। कोरोना वायरस महामारी कोविड-19 के चलते दशकों बाद सायकल की मांग में काफी वृद्धि हुई है क्योंकि इस संकट के समय लोग ऑफिस जाने के लिये सायकल का इस्तेमाल कर रहे हैं। कोरोना संकट में शरीर को फीट रखने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाने के लिये सायकल एक महत्वपूर्ण विकल्प है। कोरोना निगरानी समिति

राष्ट्रीय सेवा योजना माधव महाविद्यालय ने चलाया सायकल अभियान

ग्वालियर के पर्यवेक्षक डॉ. संजय कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में लोगो को जागरूक करने के लिये सायकल रैली का आयोजन किया गया। इस सायकल रैली में माधव महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सायकल चलाकर लोगो को शहर में प्रेरित करते हुये नजर आये। स्वयंसेवकों के साथ डॉ. संजय पाण्डेय व सामाजिक कार्यकर्ता दीपक जैसवाल भी उपस्थित थे। लॉकडाउन में

जिम, पार्क वगैरा बंद होने की वजह से लोगो का व्यायाम नहीं हो पा रहा है। युवाओं ने अपनी फिटनेस को बनाये रखने के लिये सायकल खरीदना शुरू कर दी है। सायकल के द्वारा यह सभी लोग अपनी फिटनेस को बनाये रख रहे हैं तथा इम्यूनिटी पॉवर को भी बढ़ायेंगे जिससे कोरोना को हराया जा सके। लॉकडाउन की वजह से स्कूल बंद है ऐसे में घरों में भी छोटे-छोटे बच्चे सायकलें खरीद रहे हैं। कोरोना की जंग के लिये सायकल चलाना काफी लाभदायक है। सायकल द्वारा हम सभी लोग अपने आपको इस जंग के लिये तैयार रखेंगे तथा शारीरिक व मानसिक रूप से भी हम अपने आपको सही प्रकार से रख पायेंगे। सायकल रैली अचलेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर इंदरगंज चौराहा, राम मंदिर, गस्त का ताजिया, दौलतगंज होते हुये महाराज बाडे पर जाकर समाप्त हुई। कार्यक्रम में हेमन्त मांझी, यश किरार, अनिरूद्ध शर्मा, अनुभव दीक्षित, अंकुश अरोरा, ऋतिक नरवरे, तरूण रोहिरा, अंकुर चौरसिया, योगेश माहौर, आशीष जोशी, कु. वैष्णवी आदि लोग उपस्थित थे।

किल कोरोना अभियान' के तहत शतप्रतिशत घरों तक पहुँचे टीम

संभाग आयुक्त ने विभागीय अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

ग्वालियर। कोविड-19 को जड़ से समाप्त करने के लिये प्रदेश सरकार द्वारा ÷किल कोरोना अभियान÷ चलाया जा रहा है। अभियान के तहत 100 प्रतिशत घरों का सर्वेक्षण किया जाना है। संभाग के सभी जिलों में अभियान के तहत शतप्रतिशत घरों तक दल पहुँचे। अभियान को पूरी गंभीरता के साथ चलाया जाए। संभागीय आयुक्त श्री एम बी ओझा ने बुधवार को संभागीय आयुक्त कार्यालय में संभाग स्तरीय अधिकारियों की बैठक में यह निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त श्री एम बी ओझा ने कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास एवं आवास, श्रम विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, सहकारिता, राजस्व विभाग की योजनाओं की समीक्षा कर विभागीय अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन को प्रभावी रूप से करने के निर्देश दिए हैं। संभाग आयुक्त श्री एम बी ओझा ने कोविड-19 की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ÷किल कोरोना अभियान÷ के क्रियान्वयन के साथ-साथ संभाग के सभी जिलों में कोरोना संक्रमण की रोकथाम हेतु अधिक से अधिक सेम्पलिंग की जाए। कोविड-19 के संक्रमण से बचने के लिये सभी जिलों में जन जागृति हेतु भी अभियान चलाया जाए। इस अभियान में सामाजिक संस्थाओं के लोगों को भी जोड़ा जाए। संभागीय आयुक्त श्री एम बी ओझा ने श्रम एवं उद्योग विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि कोविड-19 के कारण ग्वालियर संभाग में बडी संख्या में प्रवासी श्रमिक आए हैं। सभी प्रवासी श्रमिकों को रोजगार से जोड़ा जाना है। सभी जिला कलेक्टर अपने-अपने जिले में प्रवासी श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई करें। ग्रामीण क्षेत्र में मनरेगा योजना के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ शहरी क्षेत्र में भी रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जाएं। संभाग आयुक्त श्री ओझा ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की समीक्षा के दौरान गरीब कल्याण रोजगार अभियान एवं पथ विक्रेता उत्थान योजना के तहत अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान संभाग आयुक्त ने कहा है कि ग्वालियर संभाग के किसी भी जिले में कोई भी किसान ऐसा नहीं रहना चाहिए जिसे उसकी उपज विक्रय का पैसा नहीं मिला हो। सभी किसानों को उनकी उपज का दाम समय रहते दिलाया जाए।

पाँच दुकानदार मिले कोरोना पॉजिटिव

दुकानदारों के संपर्क में आए व्यक्ति कोरोना का सेम्पल कराएं : कलेक्टर

ग्वालियर। मंगलवार 30 जून को आई कोरोना की जाँच में पाँच ऐसे मरीज भी पॉजिटिव पाए गए हैं जो विभिन्न व्यवसायों से संबंधित दुकान संचालित करते हैं। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने दुकान संचालन करने वाले दुकानदारों के संपर्क में आने वाले आमजनों से अपील की है कि उक्त दुकानदारों के संपर्क में जो भी व्यक्ति आए हैं वह अपना कोरोना सेम्पल जांच जिला चिकित्सालय मुरार एवं जयारोग्य चिकित्सालय ग्वालियर (जेएएच) में अवश्य कराएं। कोरोना सेम्पल जांच के संबंध में डॉ. आशुतोष जोशी के मोबाइल नम्बर 7049613839 पर तथा डॉ. सुमित भदौरिया मोबाइल नम्बर 8989475124 पर संपर्क कर सकते हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही के गुप्ता ने बताया कि कोरोना पॉजिटिव पाए गए पाँच दुकानदारों में हजीरे पर कपडे का ठेला लगाने वाले कोटा वाला मुहल्ला ग्वालियर निवासी, हजीरा तानसेन मकबरा के सामने ग्वालियर पशु आहार दुकान के दुकानदार, घासमंण्डी ग्वालियर हेयर कटिंग के दुकानदार, हजीरा सब्जी मंण्डी के गेट पर ठेले पर अगर बत्ती बेचने वाला, किला गेट ग्वालियर पर स्थित सोने चांदी के जेबरों की दुकान, के दुकानदार शामिल हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित जिले के अन्य अधिकारियों ने की किल कोरोना अभियान की मोनीटरिंग

ग्वालियर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.व्ही.के.गुप्ता ने 1 जुलाई से 15 जुलाई 2020 तक संचालित किल कोरोना अभियान के प्रथम दिन बुधवार को बुखार, खॉसी, सर्दी जुकाम से सम्बन्धित फीवर क्लीनिक ठाठीपुर का निरीक्षण किया। गोपालपुरा में किल कोरोना अभियान की टीम से सर्वे सम्बन्धित जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिये तथा दल का उत्साह वर्धन भी किया। इसी प्रकार जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.आर.के.गुप्ता ने मुरार ब्लॉक के बेरजा व बडा गांव में जाकर मोनीटरिंग की साथ ही जिला मीडिया अधिकारी आई.पी.निवारिया एवं जिला एपीडेमियोलोजिस्ट ने भितरवार ब्लॉक के ऑतरी गांव के वार्ड क्रमांक 5 में जाकर मॉनीटरिंग की। जिले के जिला स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय अन्य अधिकारियों ने सर्वे दल के कार्य की मॉनीटरिंग की । किल कोरोना अभियान के तहत कोविड-19, मलेरिया, डेंगू, बुखार के मरीजों का सर्वे कर लक्षण पाए जाने पर मरीजों की जांच एवं उपचार किया जायेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.व्ही.के.गुप्ता ने बताया कि किल कोरोना अभियान के तहत ग्वालियर में 331 टीम बनाई गयी हैं, जिसमें शहरी क्षेत्र ग्वालियर में वार्डवाईज 186 टीम अपने - अपने वार्डों में 1 से 15 जुलाई तक प्रतिदिन घर-घर जाकर सर्वे करेंगी। इसी तरह डबरा में 50,भितरवार 41, हस्तिनापुर 29 तथा बरई में 25 टीम बनाई गयीं हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने आमजन से अपील की है कि आपके घर पर किल कोरोना दल सर्वे हेतु पहुँचने पर उसे सही जानकारी देकर सहयोग प्रदान करें।

सम्पूर्ण प्रदेश के साथ जिले में बुधवार से किल कोरोना अभियान शुरू

सर्वेक्षण दलों ने घर-घर जाकर की संभावित मरीजों की पहचान

ग्वालियर। सम्पूर्ण प्रदेश के साथ ही ग्वालियर जिले में बुधवार से किल कोरोना अभियान की शुरूआत हो गई। अभियान के तहत सर्वे दल द्वारा घर-घर जाकर सर्वेक्षण का कार्य शुरू कर दिया गया है। यह अभियान 15 जुलाई तक चलेगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने जनपद पंचायत मुरार की ग्राम पंचायत बंधौली में किल कोरोना अभियान के तहत किये जा रहे सर्वेक्षण कार्य का अवलोकन कर ग्राम पंचायत क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस मौके पर सी.ई.ओ जनपद पंचायत मुरार श्री राजीव मिश्रा सहित सर्वेक्षण दल के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। सी.ई.ओ. श्री वर्मा ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा कि किल कोरोना अभियान स्पेशल फीवर स्क्रीनिंग अभियान है। यह अभियान 01 जुलाई 2020 से 15 जुलाई 2020 तक संचालित होगा। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के संक्रमण के प्रसार की श्रृंखला को तोडने एवं आमजनों को संक्रमण से बचाव एवं जागरूकता के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत घर-घर सर्वेक्षण के दौरान संभावित रोगियों की समय पर पहचान कर उनका उपचार कराना एवं आगे संक्रमण को रोकना है। साथ ही गर्भवती महिलाओं एवं छोटे बच्चों को खोजकर टीकाकरण भी कराया जावेगा। श्री वर्मा ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा कि कोरोना संक्रमण के बचाव के लिए मास्क का उपयोग करें। समय-समय पर साबुन से हाथ धोएं। घर से बाहर निकलें तो एक दूसरे से 2 गज की दूरी बनाये रखें। 10 वर्ष से कम आयु के बच्चों तथा 60 वर्ष से अधिक आयु के बुर्जगों की विशेष सावधानी बरतने की समझाइस दी गई। उन्होंने कहा कि खट्टे फल, विटामिन-सी से भरपूर जैसे-नीबू, आंवला, आम, मौसबी आदि का उपयोग करें तथा शरीर की इम्युनिटी पावर बढ़ाने हेतु शासन द्वारा प्रदाय किये गये त्रिकुट काढे का भी सेवन करें।

रोटरी क्लब द्वारा किया गया वृक्षारोपण

तन्वी भदौरिया

ग्वालियर / रोटरी क्लब गवालियर वीरांगना द्वारा जुलाई माह में प्रथम कार्यक्रम नवीन टीम द्वारा वरक्षारोपन किया गया जिसमे 11 पेड़ लगाए गए व उनके रख रखाव की पूर्ण जिम्मेदारी ली अध्यक्ष ममता वालिया ने,,इस अवसर पर पास्ट प्रेसिडेंट भारती राजौरिया, रोटे, अंजलि बत्रा,सचिव साधना मित्तल,ईशिता जुनेजासिम्मी वालिया लता अस्थाना सीमा सिसोदिया मीना श्रीवास्तव शैली अग्रवाल वर्षा खटवानी आदि उपस्थित रही

संभागीय आयुक्त एवं कलेक्ट्रेट कार्यालय में हुआ वंदे मातरम् का गायन

ग्वालियर। प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम दिवस कार्यालय प्रारंभ करते समय वंदे मातरम् का गान करने के निर्णय के परिपालन में ग्वालियर में एक जुलाई को संभागीय आयुक्त कार्यालय एवं कलेक्ट्रेट कार्यालय में वंदे मातरम का अधिकारियों और कर्मचारियों ने गायन किया। संभागीय आयुक्त कार्यालय मोतीमहल में संभागीय आयुक्त श्री एम बी ओझा एवं कलेक्ट्रेट कार्यालय में एडीएम श्री टी एन सिंह व श्री किशोर कन्याल ने वंदे मातरम् का गायन कराया। इस मौके पर संभागीय स्तर के अधिकारी मोतीमहल में एवं जिला स्तरीय अधिकारी कलेक्ट्रेट कार्यालय में शामिल

स्टेंडिंग कमेटी की बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को दी गई प्रारूप मतदाता सूची

ग्वालियर। नगर पालिका निर्वाचन के लिये राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत एक जुलाई को फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिये मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन कर दिया गया है। मतदाता सूची से संबंधित दावे-आपत्तियां निर्धारित प्रपत्र में 9 जुलाई तक प्रस्तुत की जा सकती हैं। नगर निगम ग्वालियर के हर वार्ड में

दावे-आपत्तियां लेने के लिये विशेष केन्द्र बनाए गए हैं। इसी तरह जिले के अन्य नगर पालिका व नगर पंचायतों में भी दावे-आपत्तियां ली जा रही हैं। इस आशय की जानकारी अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) श्री टी एन सिंह ने स्टेंडिंग कमेटी की बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को दी। उन्होंने विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को फोटोयुक्त मतदाता सूची के प्रारूप की प्रतियां भी मुहैया कराईं। बुधवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री टी एन सिंह ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि दावे-आपत्तियां प्राप्त करने में सहयोग के लिये अपनी तरफ से एजेंट नियुक्त करें। साथ ही अपने स्तर पर इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करें कि मतदाता सूचियों से संबंधित आपत्तियां रविवार को छोड़कर 9 जुलाई तक प्रस्तुत की जा सकती हैं। दावे-आपत्तियां लेने के लिये बनाए गए केन्द पर मतदाता सूची देखी जा सकती है।

कोविड-19 की जाँच के लिये पत्रकारों के लिए लगाया गया शिविर

ग्वालियर। जिला प्रशासन की पहल पर शहर के पत्रकारों के लिये कोविड-19 की जाँच का शिविर प्रेस क्लब में आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में पत्रकार साथियों ने अपनी जाँच भी कराई। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने पत्रकार साथियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराने हेतु प्रेस क्लब में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कोविड-19 की जाँच का निःशुल्क शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। निर्देश के परिपालन में स्वास्थ्य विभाग के दल ने बुधवार को कोविड-19 की जाँच का शिविर आयोजित कर पत्रकारों की जांच की। चार दर्जन से अधिक पत्रकार साथियों ने अपनी जांच कराई। इस शिविर में प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के साथियों ने पहुँचकर अपनी जांच कराई।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन./31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478